Follow us on :

bharatbhaskar.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

भारत भास्कर

हर खबर का असर

डाक पंजीयन - छ.ग. / रायपुर संभाग / 58 / 2021-2023

वर्ष : 15 ● अंक-210 ● रायपुर, मंगलवार 29 अगस्त 2023 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य-2 रूपये ● रायपुर, नागपुर, भोपाल, लखनऊ एवं दिल्ली से प्रकाशित ● RNI-CHHHIN/2009/29179

सूर्योदय 6.22
सूर्यास्त 5.38
श्रावण अधि. मास
शुक्ल पक्ष-त्रयोदशी

3

वरिष्ठजनों हेतु आयोजित एक दिवस कार्यशाला

5

तीन दिवसीय जिला स्तरीय छत्तीसगढ़िया ओपलंपिक का शुभारंभ स्टेडियम ग्राउण्ड में

7

सेवानिवृत्त अधिकारी कर्मचारी सहित भाजपा मंडल सरोना में 109 युवक युवतियां भाजपा में लीं प्रवेश

सुविचार

यह मत भूलें कि जो शरीर व मस्तिष्क ईश्वर ने विश्व के सबसे सफल व्यक्ति को दिया है, वही आपको भी दिया है। बस आपको उसका उपयोग कैसे करना है, यह आप तय करेंगे।
-स्वदेश तिवारी

संक्षिप्त समाचार

व्यक्ति आनंद भी अपनी बुद्धि के अनुसार ही पाता है

नई दिल्ली। श्री कृष्णागिरी पार्श्व पद्मावती शक्तिपीठ तमिलनाडु के पीठाधिपति संत वसंत विजय ने कहा आनंद भी व्यक्ति अपनी बुद्धि के अनुसार पाता है किसी को ध्यान से आनंद मिलता है तो किसी को पूजा से। भगवान से प्रकट सभी देवता तो एक ही है उनका झगड़ा करने वाला तो नादान है उसके लिए झगड़ा नहीं करना चाहिए । प्रसाद, भोजन और खाने की व्याख्या करते हुए गुरुदेव ने कहा कि मां बनाती है भोजन तो होटल में मिलता है खाना। खाना पेट बिगाड़ेगा, भोजन शरीर सुधारेगा और प्रसाद आत्मा सुधारेगा तीनों में यह फर्क है । शिव दरबार में चल रहा तीनो वक्त का भंडारा किसी गरीबों के लिए नहीं रखा है यह भगवान भोलेनाथ की दृष्टि पड़ा हुआ प्रसाद है बड़े से बड़ा अरबपति भी जब भंडारा का प्रसाद लेगा तो उसकी आत्मा को जरूर प्रकाश मिलेगा । यह प्रकाश देने वाला भोजन है। संत श्री वसंत विजय छतरपुर मंदिर के सामने मार्कंडेय हाल में आयोजित 55 दिवसीय शिव महापुराण, यज्ञ, अखंड रुद्राभिषेक महोत्सव 2023 में भक्तों को शिव कथा का रसास्वादन करा रहे थे।

दो युवतियां एक दुसरे का हाथ थाम बडी गंडक नहर मे कूदी

कुशीनगर। जनपद के सेवरही थाना क्षेत्र के भगवानपुर गांव के समीप से होकर गुजरने वाली बड़ी गंडक नहर के पुल पर रविवार को तकरीबन ग्यारह बजे दो लड़कियां पहुंची। वह अपने पैर से चप्पल उतारी, फिर रेलिंग पर दुपट्टा लटकाया और एक-दुसरे का हाथ थामकर नहर मे छलांग लगा दी। यह देख वहां मौजूद लोगों ने शोर मचाया तो भींड जुट गई। फिर उन दोनो लडकियो की खोजबीन शुरू हुई। पांच गोताखोर लगाये गये लेकिन उनका कही कोई अता-पता नही चला। सूचना मिलने पर पहुंचे तमकुहीराज के एसडीएम लडकियो की खोजबीन के लिए एसडीआरएफ की टीम भेजने की मांग की है। दोनो इण्टरमीडिएट की छात्रा बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार दुदही विकास खंड के भगवानपुर रकबा दुलमा पट्टी गांव के कंपोजिट विद्यालय के सामने कुछ लोगों ने दो लड़कियों को बड़ी गंडक नहर में कूदते हुए देखा।

माफिया अशरफ की पत्नी पहुंची हाईकोर्ट, खिंचाई फोटो

प्रयागराज। माफिया अतीक अहमद के भाई अशरफ की जिस बीवी जैनब फातिमा को यूपी पुलिस और एसटीएफ पूरे देश में खोज रही है, वह बेखौफ होकर प्रयागराज तक का चक्कर लगा गई। उसने कड़ी सुरक्षा वाले इलाहाबाद हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत अर्जी दाखिल करने के लिए हलफनामा भी तैयार करा लिया है। इसके लिए जरूरी औपचारिकता के बतौर हाईकोर्ट के आइडेंटिटी सेंटर में तस्वीर खिंचाकर भी चली गई। अग्रिम जमानत याचिका की प्रति 16 अगस्त को शासकीय अधिवक्ता कार्यालय को दी जा चुकी है। बीती 24 फरवरी को दिनदहाड़े हुए उमेश पाल हत्याकांड के बाद से ही माफिया अतीक और उसके परिवार वालों पर शिकंजा कसने का सिलसिला शुरू हो गया था।

पीएम मोदी ने 51 हजार से अधिक युवाओं को बांटे नियुक्ति पत्र

पीएम ने कहा-सरकार के प्रयासों से बढ़ रहे अवसर

नई दिल्ली/एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में आयोजित आठवें रोजगार मेला में 51 हजार से ज्यादा युवाओं को नियुक्ति पत्र बांटे। इस दौरान उन्होंने कहा कि इस दशक में भारत दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में से एक बन जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं जब यह गारंटी देता हूं तो पूरी जिम्मेदारी से निभाता हूं। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह भी मौजूद रहे। पीएम मोदी ने हैदराबाद में आयोजित आठवें 'रोजगार मेला' को वर्चुअली संबोधित करते हुए कहा कि आजादी के इस अमृतकाल में आज जिन युवाओं को नियुक्ति पत्र मिल रहा है, वो देश की सेवा के साथ-साथ देश के नागरिकों की रक्षा भी करेंगे। इसलिए एक तरह से आप इस अमृतकाल के जन और अमृतरक्षक भी हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस बार रोजगार मेले का यह आयोजन एक ऐसे माहौल में हो रहा है, जब देश गर्व और आत्मविश्वास से भरा हुआ है। हमारा चंद्रयान और उसका रोवर प्रज्ञान लगातार चंद्रमा से ऐतिहासिक तस्वीरें भेज रहा है। ऐसे समय में आप अपने जीवन की सबसे महत्वपूर्ण यात्रा शुरू करने जा रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि सेना में आकर सुरक्षा बलों के साथ जुड़कर, पुलिस सेवा में आकर हर युवा का सपना होता है वो देश की रक्षा का प्रहरी बने। इसलिए आप पर बहुत बड़ा दायित्व होता है। इसलिए आपके जरूरतों के प्रति भी हमारी सरकार बहुत गंभीर रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आवेदन से लेकर चयन तक की प्रक्रिया में तेजी लाई गई है। अर्धसैनिक बलों में भर्ती के लिए होने वाली परीक्षा अब 13 स्थानीय भाषाओं में भी करायी जा रही है। इस बदलाव से लाखों युवाओं के लिए रोजगार पाने के अवसर खुल गए हैं। पीएम मोदी ने कहा कि कभी यूपी विकास के मामले में बहुत पीछे था और अपराध के मामले में बहुत आगे था, लेकिन अब कानून का राज स्थापित होने से यूपी विकास की नई ऊंचाई छू रहा है। उन्होंने कहा कि किसी भी अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ने के लिए ये जरूरी है कि देश के हर सेक्टर का विकास हो। फूड से लेकर फार्मा तक, स्पेस से लेकर स्टार्टअप तक, जब हर सेक्टर आगे बढ़ेगा तो अर्थव्यवस्था भी आगे बढ़ेगी। भारत में आज इंफ्रास्ट्रक्चर का तेजी से विकास हो रहा है। पिछले नौ साल में केंद्र सरकार ने 30 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च किए हैं। 'वोकल फॉर लोकल' के मंत्र पर चलते हुए भारत सरकार भी 'मेड इन इंडिया' लैपटॉप, कंप्यूटर जैसे प्रॉडक्ट्स खरीदने पर जोर दे रही है। इससे मैन्युफैक्चरिंग भी बढ़ी है। और युवाओं के लिए रोजगार के नए मौके भी बन रहे हैं। पिछले नौ वर्षों के हमारे प्रयासों से परिवर्तन का एक और नया दौर दिखने लगा है। पिछले साल भारत ने रिकॉर्ड एक्सपोर्ट किया। ये संकेत है कि दुनियाभर के बाजारों में भारतीय सामानों की डिमांड लगातार बढ़ रही है। 2030 तक हमारी अर्थव्यवस्था में टूरिज्म सेक्टर का योगदान 20 लाख करोड़ रुपये से भी ज्यादा होने का अनुमान है।

10 महीने में 5 लाख लोगों को जॉइनिंग लेटर मिले

22 अक्टूबर 2022 को प्रधानमंत्री ने रोजगार मेले का पहला फेज शुरू किया था। तब पीएम ने कहा था- हमारा लक्ष्य देश के युवाओं को 2023 के अंत तक 10 लाख सरकारी नौकरियां देना है। पीएमने पिछले 10 महीनों में 8 रोजगार मेलों में करीब 5 लाख युवाओं को जॉइनिंग लेटर दिए हैं। इससे पहले 22 जुलाई को सातवें रोजगार मेले का आयोजन किया था। तब पीएममोदी ने 70 हजार से ज्यादा युवाओं को जॉइनिंग लेटर सौंपे थे। देश में 20 से भी ज्यादा राज्यों में 44 जगहों पर इसका आयोजन किया गया था। पीएम मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए इस कार्यक्रम से जुड़े थे। उन्होंने कांग्रेस का नाम लिए बिना उनकी सरकार के दौरान हुए फ्रॉन बैंकिंग घोटाले का जिक्र किया। पीएम मोदी ने कहा कि देश में फार्मा और ऑटोमोबाइल सेक्टर तेजी से बढ़ रहा है। 2030 तक टूरिज्म सेक्टर से भारत की अर्थव्यवस्था को 20 लाख करोड़ से अधिक मिलने की संभावना है। इससे युवाओं के लिए 13-14 करोड़ नए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। रोजगार मेले में जॉइनिंग लेटर मिलने के बाद केंद्रीय गृह मंत्रालय के तहत काम करने वाले केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल,सीमा सुरक्षा बल,सशस्त्र सीमा बल,असम राइफल्स, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल,भारत तिब्बत सीमा पुलिस और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के साथ दिल्ली पुलिस में भर्ती होती है।

ममता बनर्जी ने साधा बीजेपी पर निशाना

बीजेपी करा सकती है समय से पहले लोकसभा चुनाव- ममता

कोलकाता। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने लोकसभा चुनाव को लेकर बड़ा दावा किया है। सीएम ममता बनर्जी ने दावा करते हुए कहा कि भाजपा दिसंबर 2023 में ही लोकसभा चुनाव करा सकती है। उन्होंने बताया कि बीजेपी ने चुनाव में प्रचार के लिए हेलिकॉप्टर भी बुक कर लिए हैं। ममता बनर्जी ने ये बयान टीएमसी युवा विंग की एक रैली में दिया। ममता बनर्जी ने टीएमसी युवा विंग की रैली को संबोधित करते हुए कहा कि अगर बीजेपी लगातार तीसरी बार देश की सत्ता में लौटती है तो देश को तानाशाही शासन का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने रैली के दौरान दावा

करते हुए कहा कि मुझे आशंका है कि बीजेपी समय से पहले दिसंबर 2023 में ही लोकसभा चुनाव करवा सकती है। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा सरकार का तीसरा कार्यकाल यह तय करेगा कि देश को तानाशाही शासन का सामना करना पड़े। इसके अलावा सीएम ममता बनर्जी ने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि उन्होंने पहले ही देश में रह रहे समुदायों को दुश्मन बना दिया है। उन्होंने कहा कि अगर वे फिर सत्ता में लौटे तो देश में नफरत का बीज बो देंगे और इसे नफरत का देश बना देंगे। ममता बनर्जी ने आगे कहा कि इसलिए भाजपा ने चुनाव में जीत दर्ज करने के लिए पहले से ही सभी हेलिकॉप्टरों को बुक कर लिया है, ताकि कोई दूसरा दल इन हेलिकॉप्टरों का इस्तेमाल न कर सके। ज़ख्ष्ट प्रमुख ने कहा कि उन्होंने बंगाल में तीन दशक तक शासन करने वाली सीपीआई को भी सत्ता से उखाड़ फेंका था और अब लोकसभा चुनाव में वे भाजपा को हराकर दम लेंगी।

जम्मू बंद के एक दिन बाद हिरासत में लिए राजपूत सभा के नेताओं को किया रिहा

जम्मू। चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा बुलाए गए पूर्ण जम्मू बंद के एक दिन बाद, अधिकारियों ने रविवार को युवा राजपूत सभा के हिरासत में लिए गए नेताओं को रिहा कर दिया। युवा राजपूत सभा सांबा जिले में सरोर टोल प्लाजा की स्थापना के खिलाफ आंदोलन कर रही है। जम्मू चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने सरोर टोल प्लाजा और स्मार्ट इलेक्ट्रिक मीटर लगाने के खिलाफ शनिवार को बंद का आह्वान किया था। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने युवा राजपूत सभा के 26 नेताओं को रिहा कर दिया।

चांद के दक्षिणी ध्रुव पर तापमान का लगा पता

उम्मीद से ढाई गुणा ज्यादा निकला चांद पर तापमान

नई दिल्ली। चंद्रयान 3 के लैंडर की सफल लैंडिंग के चलते इतिहास में पहली बार चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के बारे में एक बड़ी जानकारी सामने आई है। चांद के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचकर अंतरिक्ष विज्ञान में सफलता की एक नई परिभाषा लिखने के बाद लैंडर और रोवर में लगे पेलोड चंद्रमा के रहस्यों का पता लगाने में जुटे हैं। इसी क्रम में लैंडर विक्रम पर लगे पेलोड चंद्र सरफेस थर्मोफिजिकल एक्सपेरिमेंट (चेस्ट) ने चंद्र सतह के तापमान की जो प्रोफाइलिंग की है उससे विज्ञानी भी हैरान हैं। चांद के तापमान को लेकर मिली ताजा जानकारी के बारे में बताते हुए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के विज्ञानी बीएचएम दारुकेशा ने कहा कि चंद्र सतह पर अधिकतम तापमान 70 डिग्री सेल्सियस निकला जो उम्मीद से दोगुने से भी अधिक है। विज्ञानी बीएचएम दारुकेशा ने कहा कि इतना तापमान होना आश्चर्यजनक है। पृथ्वी पर दो से तीन सेंटीमीटर गहराई में हमें तापमान में मुश्किल से दो से तीन डिग्री सेल्सियस का अंतर दिखता है।

नीतीश का आईएनडीआईए कन्वीनर बनने से इनकार

मैं कुछ बनना नहीं चाहता,बस सभी को एकजुट करना है.....

पटना/ एजेंसी

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आईएनडीआईए गठबंधन का कन्वीनर बनने से इनकार कर दिया है। उन्होंने कहा- मैं कुछ भी नहीं बनना चाहता, ये बात मैं आपको बार-बार कहता आया हूं। मेरी ऐसी कोई इच्छा नहीं है। मैं बस सभी को एकजुट करना चाहता हूं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव के साथ सोमवार को श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल पहुंचे थे। विपक्षी दलों के गठबंधन आईएनडीआईए की तीसरी बैठक मुंबई में 31 अगस्त और 1 सितंबर को होगी। इस बैठक में गठबंधन के संयोजक की घोषणा होनी है। शुरुआत से ही इस बात की चर्चा है कि नीतीश कुमार को संयोजक बनाया जाएगा। मुंबई में होने वाली आईएनडीआईए की तीसरी बैठक में 26 दलों के लगभग 80 नेताओं के शामिल होने की संभावना है। न्यूज एजेंसी पीटीआई के अनुसार, मुंबई की बैठक में आईएनडीआईए गठबंधन का लोगो जारी किया जा सकता है। आईएनडीआईए की पहली बैठक पटना में 23 जून को हुई थी। बेंगलुरु में 17-18 जुलाई को दूसरी बैठक हुई थी। नीतीश ने कहा, 'नहीं नहीं हमको कुछ नहीं बनना है... हम तो आपको बराबर कह रहे हैं.. दूसरे लोगों को बनाया जाएगा.. हमारी कोई इच्छा नहीं है। सबको एकजुट करना चाहते हैं और सब लोग मिलकर करें...

लेट्स इंस्पायर बिहार कार्यक्रम में विकास वैभव स्वागत किया गया

पटना। मुंगेर के टाउन हॉल मे लेट्स इंस्पायर बिहार कार्यक्रम मे आईजी विकास वैभव का स्वागत किया गया और बुके देकर महिला मोर्चा नेत्री स्वाती सिंह ने किया इस अवसर पर पटना मुख्यालय डीएसपी विनय रंजन, बीके सिंह मुंगेर जिला अध्यक्ष अरुण पौदार, अंजू भारद्वाज भी उपस्थित रहे, उनके बातो को सुनकर युवा मे काफी उत्साह था इस अवसर पर स्वाती सिंह ने कहा की आईजी विकास वैभव जी इतने बड़े पदों पर रहकर भी बिहार के लोगो के बारे मे इतना सोच रहे है और लेट्स इंस्पायर बिहार का जो मुहीम चला रहे और युवा को प्रेरित कर रहे बिहार के प्रति यह बहुत अच्छी बात है।

कर्नाटक की गृह लक्ष्मी योजना से महिलाओं को होगा लाभ

सिद्दरमैया देगी महिलाओं को महीने मिलेंगे 2000 रुपये.....

बेंगलुरु। एजेंसी

कर्नाटक की सिद्दरमैया सरकार गृह लक्ष्मी योजना के माध्यम से महिलाओं को सौगात देने जा रही है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और सांसद राहुल गांधी की मौजूदगी में राज्य सरकार आगामी बुधवार को गृह लक्ष्मी योजना शुरू करेगी। खरगे और राहुल की मौजूदगी में एक करोड़ से अधिक महिलाओं को 2,000 रुपये मासिक भत्ता दिया जाएगा। अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि इस कार्यक्रम का आयोजन मैसूर में किया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार, गृह लक्ष्मी योजना के लिए करीब 1.08 करोड़ लाभार्थियों ने आवेदन किया है। ये योजना सिद्दरमैया सरकार की पांच गारंटियों में से एक है। विधानसभा चुनाव के दौरान ही कांग्रेस ने सत्ता में आने पर पांच गारंटियों का वादा किया था। सीएम सिद्दरमैया ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बताया कि समारोह के दौरान एक लाख लोग इकट्ठा होंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे इस कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे और उनकी मौजूदगी में गृह लक्ष्मी योजना शुरू की जाएगी। साथ ही राहुल गांधी भी समारोह में मौजूद रहेंगे। सिद्दरमैया ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए कहा कि यह एक सरकारी कार्यक्रम है, इसलिए राज्यसभा में विपक्ष के नेता होने के नाते खरगे को आमंत्रित किया गया है।

यह इसरो का पहला सोलर मिशन, चार महीने में धरती से 15 लाख किमी दूर पहुंचेगा

आदित्य एल-1 की लॉन्चिंग 2 सितंबर को सुबह 11.50 बजे होगा

बेंगलुर/ एजेंसी

इसरो सूर्य का अध्ययन करने के लिए 2 सितंबर को सुबह 11:50 बजे अपना सोलर मिशन लॉन्च करने वाला है। इसका नाम आदित्य रखा गया है। इसरो ने सोमवार को यह जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि आदित्य सूर्य का अध्ययन करने वाली पहली स्पेस बेस्ड इंडियन लेबोरेट्री होगी। इसे सूर्य के चारों ओर बनने वाले कोरोना के रिमोट ऑब्जर्वेशन के लिए डिजाइन किया गया है। यान को श्रीहरिकोटा से रॉकेट से अंतरिक्ष में भेजा जाएगा। आदित्य यान, एल-1 यानी सूर्य-पृथ्वी के लैग्रेंजियन पॉइंट पर रहकर सूर्य पर उठने वाले तूफानों को समझेगा। यह पॉइंट पृथ्वी से लगभग 15 लाख किलोमीटर दूर है। यहां तक पहुंचने में इसे करीब 120 दिन यानी 4 महीने लगेंगे। यह लैग्रेंजियन पॉइंट के चारों ओर की कक्षा, फोटोस्फीयर, क्रोमोस्फीयर के अलावा सबसे बाहरी परत कोरोना की अलग-अलग वेब बैंड्स से 7 पेलोड के जरिए टेस्टिंग करेगा। यूआर राव सैटेलाइट सेंटर में तैयार किया गया ये सैटेलाइट दो हफ्ते पहले आंध्रप्रदेश में इसरो के श्रीहरिकोटा स्थित स्पेस पोर्ट पर पहुंच चुका है। इसरो के एक अधिकारी के मुताबिक, आदित्य एल-1 देश की संस्थाओं की भागीदारी से बनने वाला पूरी तरह स्वदेशी प्रयास है। बेंगलुरु के इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एस्ट्रोफिजिक्स विजिबल एमिशन लाइन कोरोनाग्राफ ने इसके पेलोड बनाए हैं। जबकि इंटर-यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर एस्ट्रोनॉमी एंड एस्ट्रोफिजिक्स पुणे ने मिशन के लिए सोलर अल्ट्रावॉयलेट इमेजर पेलोड

विकसित किया है। यूवी पेलोड का इस्तेमाल कोरोना और सोलर क्रोमोस्फीयर पर, जबकि एक्स-रे पेलोड का इस्तेमाल सूर्य की लपटों को देखने के लिए किया जाएगा। पार्टिकल डिटेक्टर और मैग्नेटोमीटर पेलोड, चार्ज्ड पार्टिकल के हेलो ऑर्बिट तक पहुंचने वाली मैग्नेटिक फील्ड के बारे में जानकारी देंगे। आदित्य यान को सूर्य और पृथ्वी के बीच हेलो ऑर्बिट में स्थापित किया जाएगा। इसरो का कहना है कि एल-1 पॉइंट के आस-पास हेलो ऑर्बिट में रखा गया सैटेलाइट सूर्य को बिना किसी ग्रहण के लगातार देख सकता है। इससे रियल टाइम सोलर एक्टिविटीज और अंतरिक्ष के मौसम पर भी नजर रखी जा सकेगी। उम्मीद की जा रही है कि आदित्य एल-1 के पेलोड कोरोनल हीटिंग, कोरोनल मास इजेक्शन, प्री-फ्लेयर और फ्लेयर एक्टिविटीज की विशेषताओं, पार्टिकल्स की मूवमेंट और स्पेस वेदर को समझने के लिए जानकारी देंगे। लैग्रेंज पॉइंट 1 को सामान्य तौर पर एल-1 के नाम से जाना जाता है। ऐसे पांच पॉइंट धरती और सूर्य के बीच हैं, जहां सूर्य और पृथ्वी का गुरुत्वाकर्षण बल बैलेंस हो जाता है और सेंट्रिफ्युगल फोर्स बन जाता है। ऐसे में इस जगह पर अगर किसी ऑब्जेक्ट को रखा जाता है तो वह आसानी से दोनों के बीच स्थिर रहता है और एनर्जी भी कम लगती है। पहला लैग्रेंज पॉइंट धरती और सूर्य के बीच 15 लाख किलोमीटर की दूरी पर है।

तारों के अध्ययन में सबसे ज्यादा मदद करेगा

इसरो के मुताबिक, सूर्य हमारे सबसे करीब मौजूद तारा है। यह तारों के अध्ययन में हमारी सबसे ज्यादा मदद कर सकता है। इससे मिली जानकारियां दूसरे तारों, हमारी आकाश गंगा और खगोल विज्ञान के कई रहस्य और नियम समझने में मदद करेंगी। हमारी पृथ्वी से सूर्य करीब 15 करोड़ किमी दूर है। आदित्य एल1 वैसे तो इस दूरी का महज एक प्रतिशत ही तय कर रहा है, लेकिन इतनी सी दूरी तय करके भी यह सूर्य के बारे में हमें ऐसी कई जानकारियां देगा, जो पृथ्वी से पता करना संभव नहीं होता। अभियान को अंतरिक्ष आधारित पर्यवेक्षण श्रेणी में रखा गया अपने केंद्रीय क्षेत्र में 1.5 करोड़ डिग्री व सतह पर 5,500 डिग्री सेल्सियस तापमान रखने वाले सूर्य पर भौतिक रूप से मिशन भेजना संभव नहीं है। अत्यधिक तापमान के कारण इसमें लगातार नाभिकीय संलयन हल्के नाभिकों का आपस में जुड़ भारी तत्व का नाभिक बनाना होता है।

पढ़ाई के साथ कमाई में बुराई नहीं!

पढ़ाई के दौरान अधिकतर युवाओं को आर्थिक संकट से गुजरना पड़ता है. जहां कोर्स की फीस बहुत अधिक हो गई है, वहीं एक्स्ट्रा कैलिकुलर एक्टिविटीज में भी पैसे खर्च होने लगे हैं. छोटे-छोटे अतिरिक्त खर्च से परिवार पर आर्थिक बोझ बढ़ता है.

पढ़ाई के दौरान युवाओं को आर्थिक संकट से गुजरना पड़ता है. यदि वह पढ़ाई के साथ कमाना सीखें तो कई समस्याएं हल हो जाती हैं. बदलते वक्त के साथ पढ़ाई करते-करते काम करना और पैसे कमाना युवाओं की जिंदगी में शुमार हो चुका है. आज का युवा आर्थिक तौर से अपने पैरों पर खड़ा होना चाहता है क्योंकि यह बात उन्हें समझ में आने लगी है कि जब तक वे अपने पैरों पर खड़े नहीं होंगे तब तक आगे बढ़ने की सीमाएं उनके लिए सीमित हैं. विदेश में पढ़ाई करने वाले अधिकतर छात्र पार्ट टाइम जॉब जरूर करते हैं. इससे एक फायदा तो आर्थिक स्तर पर होता है, वहीं दूसरा फायदा यह होता है कि वे उस देश की संस्कृति-संस्कार और मार्केट को समझने के साथ संबंधित कार्य का अनुभव भी प्राप्त कर लेते हैं. युवाओं को स्वावलंबी होना खुद उनके लिए महत्वपूर्ण है. यदि वे काफी कम उम्र में आर्थिक तौर पर अपनी जिम्मेदारी उठाना सीख लेते हैं तो भविष्य में इसके फल मिलते हैं. पढ़ाई के साथ-साथ कमाई करने से पॉकेट मनी और रोजमर्रा की जरूरतों की तमाम खर्च पूरा करने में परेशानी का सामना नहीं करना पड़ता. अधिकतर छात्र पार्ट टाइम जॉब कर अपने करियर या कोर्स में वेल्यू एड करा लेते हैं क्योंकि प्रोफेशनल दौर में डिग्री और अनुभव दोनों मायने रखता है. पढ़ाई के साथ-साथ जॉब करने से कई फायदे हैं-

आर्थिक स्वावलंबन

आर्थिक तौर से अपने पैरों पर खड़ा होने की प्रवृत्ति युवाओं को पार्ट टाइम जॉब करने के लिए आकर्षित करती है. पार्ट टाइम जॉब करना हर किसी की जिंदगी में अलग मायने रखता है क्योंकि जब आप अपने फ्रेंड्स के साथ पार्टी में जाते हैं, घूमने जाते हैं, फिल्में देखने जाते हैं, तो वहां खर्च करने के लिए किसी के सामने आपको हाथ पसारना नहीं पड़ता है. परिवार के सदस्यों और दोस्तों को गिफ्ट भी दे सकते हैं और छोटे-मोटे खर्च के लिए आपको परिवार पर निर्भर नहीं रहना पड़ता है. यदि आपका कोई साथी आर्थिक संकट से गुजर रहा है तो आप उसकी मदद भी कर सकते हैं.

वर्क एक्सपीरियेंस

पार्ट टाइम जॉब करने से जहां वर्क एक्सपीरियेंस होता है, वहीं युवा अपने मनोनुकूल या पढ़ाई के अनुरूप काम करने में सफल होते हैं. किसी भी कोर्स के दौरान यदि आप काम करते हैं तो रेज्यूमे में आपका अनुभव जुड़ता है और बाद में फ्रेश ग्रेजुएट की तुलना में आपको प्राथमिकता दी जाती है. वर्क एक्सपीरियेंस के जरिए फील्ड के अनुभव भी होते हैं. इससे जिम्मेदारी की भावना आती है और यही कारण है कि अधिकतर फर्म उन लोगों को ज्यादा तवज्जो दे रही हैं जिनके पास डिग्री के साथ-साथ अनुभव है. किसी भी संस्था में काम करने का अनुभव जहां आपकी सोच को विस्तृत करता है, वहीं प्रैक्टिकल अनुभव के दौर से भी गुजरते हैं. करियर की अधिकता अधिकतर फुल टाइम प्रोफेशनल्स उच्च डिग्री लेने की चाह रखते हैं और सीखने के साथ-साथ कमाना भी उनका लक्ष्य होनी चाहिए. पार्ट टाइम जॉब करने के पीछे जो भी इरादा हो लेकिन यह आपको आगे बढ़ने में मदद करता है. किसी भी संस्था के वर्क कल्चर को जानना और आप जब पूरी तरह प्रोफेशनल मार्केट में आते हैं, तो आपसे क्या उम्मीद की जाती है, इसकी जानकारी पहले से रहना मायने रखता है. भविष्य में अपने क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए अपने टीम मेंबर से बातें करना, बॉस या फिर कस्टमर से घुलना-मिलना भी महत्वपूर्ण चीजें हैं. हालांकि लोग मानते हैं कि पढ़ाई के दौरान जॉब करना ठीक नहीं है क्योंकि कई बार ऐसे मौके आते हैं जब छात्र पढ़ाई में कम, काम के प्रति ज्यादा गंभीर हो जाते हैं. पढ़ाई हमेशा पहली प्राथमिकता होनी चाहिए लेकिन जॉब कर आप जान पाते हैं कि एक-साथ दो चीजों को कैसे हैंडल किया जाता है. यही कारण है कि अधिकतर छात्र ऐसे कदम उठाने से पहले कई बार सोचने के लिए मजबूर होते हैं. इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है कि भारत का वर्तमान एजुकेशन सिस्टम वैसे स्किल्स को सामने लाने में अक्षम है जिससे बेरोजगारी खत्म हो. ऐसे में यह बहुत जरूरी है कि उन्हें इस बात का ज्ञान हो कि किसी भी परिस्थिति में वे अपना आपा न खोएं और कोर्स और कार्य को बेहतर तरीके से निबटाएं.

ध्यान रखें - किसी भी कोर्स के दौरान यदि आप काम करते हैं तो रेज्यूमे में आपका अनुभव जुड़ता है और बाद में फ्रेश ग्रेजुएट की तुलना में आपको प्राथमिकता दी जाती है. पढ़ाई के साथ कमाएं जरूर लेकिन पढ़ाई को प्रभावित किये बिना. इतनी देर ही नौकरी करें जिससे आप बिना थके पढ़ाई कर सकें. वही कार्य करें जो आपके कोर्स या प्रोफेशन से जुड़ा हो, जिससे कोर्स खत्म होने पर इस कार्यानुभव का फायदा आप उठा सकें.

ग्लैमर से जुड़ा फैशन कोरियोग्राफर

फैशन के जलवे पूरी दुनिया में हैं और इसकी जो चमक-दमक दिखाई देती है, उसके पीछे कड़ी मेहनत होती है. फैशन डिजाइनर, फैशन जर्नलिस्ट से लेकर फैशन कोरियोग्राफर की भूमिका पर्दे के पीछे होती है, जो किसी को दिखाई नहीं देती. इस चुनौतीपूर्ण क्षेत्र में करियर की असीम संभावनाएं हैं.

अगर आपको फैशन और ग्लैमर वर्ल्ड पसंद है, साथ ही आप क्रिएटिव भी हैं तो फैशन कोरियोग्राफी आपके लिए उपयुक्त करियर ऑप्शन हो सकता है. फैशन कोरियोग्राफी को कैटवाक कोरियोग्राफी के नाम से भी जाना जाता है. इस क्षेत्र के विशेषज्ञों के लिए ढेरों अवसर मौजूद हैं. फैशन में करियर का मतलब यह नहीं कि आप केवल कपड़ों के डिजाइन और उससे संबंधित अन्य चीजों से डील करें बल्कि इसमें डिजाइनिंग, मैन्युफैक्चरिंग और एक्सेसरीज उत्पाद जैसे जूलरी, बैग्स, फुटवियर भी शामिल होते हैं. यह फैशन जगत का ठीक वैसा ही करियर ऑप्शन है जैसे कि फैशन फोटोग्राफी, फैशन जर्नलिज्म आदि. फैशन कोरियोग्राफर किसी भी डिजाइनर के सपने को सर्वश्रेष्ठ रूप में स्टेज पर उतारने का प्रयास करता है.

फैशन कोरियोग्राफी

ये मॉडल्स द्वारा पहने गये कपड़ों को आकर्षक और पेशेवर रूप से दुनिया के सामने लाते हैं. फैशन कोरियोग्राफी में कई तरह के मूवमेंट पैटर्न होते हैं जिन्हें रैम्प पर चलते वक्त मॉडल्स संगीत की धुन के साथ फॉलो करती हैं. फैशन कोरियोग्राफर धुन, थीम और फैशन रनवे शोज को डिजाइन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. फैशन कोरियोग्राफर सामान्य तौर से शो का डायरेक्टर होता है. प्रोफेशनल और कमर्शियल रैम्प शोज, प्रोडक्ट लॉन्च जहां क्लाइंट स्टेज शोज करवाना चाहता है, फैशन वीक्स, जिनमें गारमेंन्ट का डिस्प्ले मुख्य फोकस होता है, के लिए फैशन कोरियोग्राफर्स की जरूरत पड़ती है.

फ्रीमेल्स के लिए उपयुक्त करियर

हालांकि यह लॉन्ग लर्निंग प्रोसेस है और एक बार इस क्षेत्र में प्रवेश के बाद हर पहलू पर बारीकी से रिसर्च करने के बाद अगले शो को ज्यादा बेहतर बनाने की तैयारी करनी पड़ती है. मुख्यत- यह फीमेल्स के लिए उपयुक्त करियर ऑप्शन है. योग्यता फैशन कोरियोग्राफर बनने के लिए न्यूनतम योग्यता किसी भी विषय के साथ बारहवीं है.

इस क्षेत्र की आधारभूत आवश्यकता क्रिएटिव टैलेंट है. हालांकि इस क्षेत्र में प्रवेश के लिए कोई खास कोर्स नहीं है. इस क्षेत्र में करियर बनाने वाले कैंडीडेट चाहें तो अनुभवी फैशन कोरियोग्राफर को असिस्ट करके खुद को स्थापित कर सकते हैं. कौशल चूंकि यह क्रिएटिव करियर ऑप्शन है, इसलिए फैशन कोरियोग्राफर को क्रिएटिव होने के साथ ही रंगों और स्टाइल की बखूबी समझ भी जरूरी है. कोरियोग्राफर को व्यवहार कुशल, शांत और आत्मविश्वासी होना चाहिए. शो के दौरान किसी भी तरह की कठिन परिस्थिति से निपटने की क्षमता के साथ ही दबाव में और लंबे समय तक काम करने के लिए तैयार रहना चाहिए.

कॉरपोरेट इवेंट में भी फैशन शो

कार्य फैशन विस्तृत क्षेत्र है जिसमें अवसरों की भरमार है. डिजाइनर्स से लेकर फैशन ब्रांड्स तक अपने शो को हिट करवाने के लिए कैटवाक कोरियोग्राफर को हायर करते हैं. आज फैशन शो लगातार चलने वाला इवेंट बन गया है. यही वजह है कि इस क्षेत्र में फैशन कोरियोग्राफर के लिए संभावनाएं भी बढ़ी हैं.

कोई भी कॉलेज डे फैशन शो के बिना पूरा नहीं होता, यहां तक कि आजकल कॉरपोरेट इवेंट में भी फैशन शो का आयोजन होने लगा है. जब डिजाइनर अपने कलेक्शन और प्रेजेंटेशन के बारे में कोरियोग्राफर को बताता है तो यह कोरियोग्राफर का काम होता है कि वह शो की सफलता के लिए प्रत्येक चरण का प्लान बनाए. फैशन कोरियोग्राफर को शो के हर डीटेल जैसे एंबीयंस डेकोर, स्टेज और रैम्प डिजाइन, लाइटिंग इफेक्ट्स, ऑडियो विजुअल, म्यूजिक, मॉडल्स, मेकअप और हेयरस्टाइलिंग से लेकर सभी मॉडल्स द्वारा पहने जाने वाले आउटफिट्स तक पर ध्यान देना होता है. चाहे तो प्रतिष्ठित कोरियोग्राफर को असिस्ट भी कर सकता है. इंडस्ट्री में एक्सपीरियंस और रेपुटेशन के साथ ही वह स्वतंत्र रूप से फीलांसर के रूप में भी कार्य कर सकता है.

तकनीक की शिक्षा

इसके अलावा, फैशन कोरियोग्राफर के पास स्कूल शुरू करने का भी ऑप्शन होता है जहां वह इस क्षेत्र से जुड़ी तकनीक की शिक्षा दे सकता है. डिजाइनर्स के साथ- साथ ब्रांड आइटम्स के डीलर्स भी अपने प्रोडक्ट के प्रदर्शन के लिए फैशन कोरियोग्राफर को हायर करते हैं. मॉडलिंग कंपनी भी ज्वाइन कर सकते हैं जहां पर मॉडल्स को कैट वाकिंग सिखा सकते हैं. कमाई इस क्षेत्र में आय कौशल और अनुभव के आधार पर अलग-अलग है. जिन कोरियोग्राफर के पास नियमित कस्टमर्स होते हैं उनकी आमदनी बढ़िया होती है. अच्छी रेपुटेशन वाले कोरियोग्राफर की आय भी ज्यादा होती है. हालांकि प्रतिष्ठित कोरियोग्राफर पैसों की डिमांड करते हैं जबकि बिगिनर्स को जो मिलता है, उससे ही संतुष्ट होना पड़ता है.

संस्थान

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (निफ्ट), दिल्ली नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन डिजाइन (निफड), ओडिसा नॉर्दर्न इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, मोहाली नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, अहमदाबाद

परिपक्वता से ही

मिलती है कामयाबी

आपने सबकुछ अच्छा किया और समय पर किया लेकिन करते रहने की निरंतरता और उसके माध्यम से उपजने वाली परिपक्वता ही कामयाबी की रेशमी डोर है. ये डोर काफी मजबूत होती है, लेकिन शर्तों से बंधी भी होती है. आप देख सकते हैं कि जो डोर आपके जीवन के समूचे परिदृश्य को बदल डालने का दमखम रखती हो, वह हल्की या कमजोर तो हो नहीं सकती? सबसे पहले तो खुद को समझना होगा, इसके बाद खुद के सम्मान को समझना होगा. आप किसी भी बेहद कामयाब शख्स में ये दो चीज जरूर पाएंगे. कामयाबी स्मार्ट लोगों को खोजती है.

कामयाब होना है तो उसके सपने देखने ही होंगे और उन्हें सच करने के लिए आपको धर्य रखना होगा. याद रहे कि सपने देखने के लिए सोना पड़ता है और उससे भी पहले भोजन करना पड़ता है. क्या किसी ऐसे व्यक्ति को देखा है जो बिना खाये-पिये ही आराम से सो गया हो यानी उसे सहजता से नींद आ गयी हो? कामयाबी के सपने देखना और उसे पा लेने के बीच जो गैप है, उसे भरना आसान नहीं है. उसे भरते हैं आपके उद्देश्यपूर्ण तरीके और समय पर हथौड़ा मारने की कुशलता. आप जान लीजिए कि इन्हीं दो तरकीबों या साधनों को जरिया बनाकर आप चलते और चढ़ते हुए मंजिल तक पहुंचते हैं. दरअसल, सफलता और नाकामी के बीच का फासला 'सही' और 'एकदम सही' के बीच का फासला है. आपने सबकुछ अच्छा किया और समय पर किया लेकिन करते रहने की निरंतरता और उसके माध्यम से उपजने वाली परिपक्वता ही कामयाबी की रेशमी डोर है. ये डोर काफी मजबूत होती है, लेकिन शर्तों से बंधी भी होती है. आप देख सकते हैं कि जो डोर आपके जीवन के समूचे परिदृश्य को बदल डालने का दमखम रखती हो, वह हल्की या कमजोर तो हो नहीं सकती? सबसे पहले तो खुद को समझना होगा, इसके बाद खुद के सम्मान को समझना होगा. आप किसी भी बेहद कामयाब शख्स में ये दो चीज जरूर पाएंगे. कामयाबी स्मार्ट लोगों को खोजती है. ऐसे लोगों को, जो स्मार्ट ढंग से काम करते हैं, समय पर सही फैसले लेते हैं. अपनी कृति के लिए ग्राहक तलाशते समय कलाकार के दिमाग में ग्राहक की संतुष्टि सबसे पहले होती है. तभी आज एक और कल एक हजार ग्राहक बनते हैं. ऐसे स्मार्ट लोग अनेक तरह के लोगों के पास रहना चाहते हैं क्योंकि उन्हें ठीक से पता होता है कि क्वालिटी खोजने वाले स्मार्ट लोग है और यही उनकी तकदीर का निर्माण करेंगे, उसे उपलब्धि के शिखर की ओर ले जाएंगे. लेकिन ये सब खुद को सम्मान देने और खुद के दमखम को ईमानदारी से टटोले बिना हो पाना मुश्किल है. उत्साह के साथ कामयाबी तभी मिलती है जब रास्ते में ठोकरें खाकर भी आपके उत्साह में कोई कमी नहीं रहती. कामयाबी के जज्बे से भरे इंसान के लिए आंखों के सामने कोई रास्ता ना भी हो तो भी चिंता नहीं रहती. वे धीरे-धीरे ही सही, आगे बढ़ते जाते हैं.

उन्हें कोई जल्दी भी नहीं रहती. ऐसे लोग कुछ भी पाना चाहें, तो वह उनकी जद के भीतर दिखता है. बस वे यही ध्यान रखते हैं कि खुद का धैर्य न खोयें. जब तक मंजिल हाथ ना लगे, वे धैर्य धारण किये रहते हैं और चैन से नहीं बैठते. इसलिए चाहे जो हो जाए, सपने देखना जारी रखिए. आपके सिवाय कोई दूसरा यह अहसास नहीं करने वाला है. बस याद रखिए और हमेशा गांठ बांधे रहिए कि अपनी जिंदगी का फैसला किसी और के हाथों में कतई मत पड़ने दीजिए.

सार-समाचार

संभागीय शालेय प्रतियोगिता में सूरजपुर विजयी

नन्दू यादव

सूरजपुर भारत भास्कर शालेय संभागीय खेल कूद प्रतियोगिता के अंतर्गत 25 अगस्त से 26 अगस्त 2023 तक दो दिवस शासकीय कन्या क्रीडा परिसर अम्बिकापुर एवं शा बहुउद्देषीय उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय अम्बिकापुर के क्रीड़ागन में 14 वर्ष आयु ग्रुप के तहत बालक एवं बालिका वॉलीबाल प्रतियोगिता आयोजित किया गया। जिसमें सरगुजा संभाग के सभी जिलों की चयनित टीमें शामिल हुई। जिसमें बालक वर्ग में सूरजपुर जिले की टीम विजेता एवं बालिका टीम उप विजेता रही। बालिका कबड्डी में सूरजपुर के बालिकाओ ने फाईल मैच जीत कर खिताब अपने नाम किया। इस उपलब्धि पर श्री राम ललित पटेल जिला शिक्षा अधिकारी के द्वारा समस्त खिलाड़ियों, कोच एवं मैनेजर को बधाई देते हुये उज्जवल भविष्य की कामना किया गया। इस अवसर पर श्री शरदेन्दु कुमार शुक्ल सहायक जिला क्रीडा अधिकारी, मो. आरिफ खान सहायक जिला क्रीड़ा अधिकारी, श्री प्रमोद कुमार मिश्रा, क्रीड़ा अधिकारी कन्या क्रीड़ा परिसर श्री आनंद धर दीवान, एस. के. शेषाद्री, श्री रविन्द्र कुमार सिंह, श्री दया सिंह उईके, डॉ. प्रमोद यादव, श्री कमल निकुंज, श्री अनमोल तिग्गा, श्री रोहित सिंह रावत, श्रीमती शीला मजूमदार, श्रीमती सुनैना जायसवाल समेत समस्त कोच, मैनेजर, खिलाड़ी, नागरिक एवं खेल प्रेमी उपस्थित थे।

स्वीप कार्य म के तहत स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की दी गयी जानकारी

नन्दू यादव

सूरजपुर भारत भास्कर /कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन संजय अग्रवाल के निर्देशन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एवं स्वीप नोडल अधिकारी जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास विभाग के मार्गदर्शन में स्वीप कार्यक्रम के तहत अधिक से अधिक लोगों को मताधिकार का उपयोग करने के उद्देश्य से 25 अगस्त 2023 को जिले के 8 शालाओं क्रमशः शा.उ.मा.वि. बसदेई, डुमरिया, खोड़, बेदमी, अजबनगर, कल्याणपुर, माडर्न कान्वेंट स्कुल कल्याणपुर, श्री राधा गोविन्द पब्लिक स्कूल सिलफिली में बालिकाओं, बच्चों को चुनाव में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने एवं चुनाव में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने के संबंध में जागरूक किया गया। साथ ही सभी मतदाताओं को देश की लोकतांत्रिक परम्पराओं की मर्यादा को बनाये रखने तथा स्वतंत्र एवं निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुणय रखते हुए निर्भिक होकर धर्म, जाति, वर्ग, समुदाय, भाषा एवं अन्य किसी भी प्रकार के प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करने के संबंध में जागरूक किया गया तथा मतदाता जागरूकता अभियान स्वीप कार्यक्रम के तहत शपथ भी दिलाया गया। जिसमें अधिक से अधिक मतदान करने के संबंध में शपथ लिया गया। कार्यक्रम में शाला के अध्यापकगण एवं बड़ी संख्या में बच्चे शामिल रहे। कार्यक्रम का सफल आयोजन किए जाने में संरक्षण अधिकारी नवा बिहान, संरक्षण अधिकारी संस्थागत देख रेख, संरक्षण अधिकारी गैर संस्थागत देख रेख, सखी वन स्टॉप सेंटर से केस वर्कर, चाइल्ड लाइन की टीम, बाल संरक्षण की टीम एवं अन्य विभागीय कर्मचारियों की भागीदारी रही।

अधिवक्ता आक्रोश रैली में सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी

कोरबा। अधिवक्ताओ की वर्षों पूरानी मांग एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट, सामूहिक बीमा और मृत्यु दावा राशि में बढ़ोतरी को लेकर हजारों की संख्या में अधिवक्ताओं ने रैली निकालकर अपना विरोध दर्ज कराया। । कांग्रेस सरकार ने अपने चुनावी घोषणा पत्र में अधिवक्ताओ की मांग को पूरा करने का वादा किया था लेकिन आज तक पूरा नहीं किया गया। सरकार के वादा खिलाफी के विरोध में जिला न्यायालय परिसर कोरबा से आक्रोश रैली निकाला गया। जिला अधिवक्ता संघ कोरबा के अध्यक्ष संजय जायसवाल और सचिव नूतनसिंह ठाकुर के नेतृत्व में जिला न्यायालय परिसर कोरबा से विशाल बाईक रैली निकाली गई अधिवक्ताओ ने शहर भ्रमण करते हुए भूपेश सरकार के वादाखिलाफी पर जमकर नारेबाजी किया। अधिवक्ता आक्रोश रैली में कोरबा के शहरी एवं ग्रामीण इलाकों से सैकड़ों बाईक में अधिवक्ता नारेबाजी करते हुए सरकार के राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल के कार्यालय पहुंचे तथा उनकी अनुपस्थिति में उनके सेकेट्री को ज्ञापन दिया। राजस्व मंत्री से बात करते हुए अपनी मांगों को मुख्यमंत्री के समक्ष रखने का निवेदन किया। जिला अधिवक्ता संघ कोरबा के सुरेश शर्मा, उत्तरा राठौर, अमरनाथ कौशिक, किरणभान शांडिल्य, रवि भगत, कमलेश श्रीवास, लीना साहु, अमित साहु, क्रांति श्रीवास, पूर्व अध्यक्ष गोपी कौशिक आदि।

वरिष्ठजनों का फूल माला एवं श्रीफल से किया गया सम्मान

वरिष्ठजनों हेतु आयोजित एक दिवस कार्यशाला

माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण तथा कल्याण अधिनियम, 2007 के संबंध में कार्यशाला

नन्दू यादव

सूरजपुर/भारत भास्कर माननीय राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के दिशा निर्देशन में जिला न्यायाधीश, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सूरजपुर श्री गोविन्द नारायण जांगड़े के निर्देशन में ''माता पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण तथा कल्याण अधिनियम, 2007'' के संबंध में कार्यशाला, प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन मंगल भवन सूरजपुर में किया गया। कार्यक्रम की शुरूवात उपस्थित न्यायिक अधिकारीगण एवं उपस्थित वरिष्ठजनों द्वारा द्वीप प्रज्वलन एवं न्यायिक अधिकारीगण द्वारा उपस्थित वरिष्ठजनों को पुष्प गुच्छ एवं श्रीफल भेट देकर सम्मानित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि माननीय श्री सुनिल कुमार नन्दे, प्रथम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीष, माननीय श्रीमती सुषमा लकड़ा, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, प्रभारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सूरजपुर, माननीय श्री आनंद कुमार सिंह व्यवहार न्यायाधीष वर्ग-1 एवं श्री अजय लकडा, श्री पुनित तिग्गा, श्री प्रवीण कुजूर न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, श्री विवेक कुमार टंड़न, श्रीमती सावित्री रक्सेल न्यायिक मजिस्ट्रेट

द्वितीय श्रेणी, श्री एच.एन. श्रीवास्तव चीफ लीगल एड़ डिफेंस कौंसिल, एवं श्री रवि सिंह एसडीएम, श्री नंद जी पाण्डे एसडीएम, श्री सागर सिंह एसडीएम, दीपिका नेताम एसडीएम प्रतापपुर, वर्षा बंसल तहसीलदार, हिना टंडन नायब तहसीलदार सूरजुपर श्रीमती बी. तिर्की उप संचालक समाज कल्याण विभाग।

कार्यक्रम में श्री सुनिल कुमार नन्दे द्वारा उपस्थित वरिष्ठजनों को कार्यक्रम में समय देने के लिए सभी का स्वागत किया एवं ''माता पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण तथा कल्याण अधिनियम, 2007'' के विषय में विस्तृत जानकारी देते हुए कहा वरिष्ठजनों की किसी प्रकार की अपेक्षा न हो इसके लिए सरकार समय समय पर कानून बनाती है। हमें प्रारंभ से अपने संस्कारों को उचित रूप से परिवार में स्थापित करना चाहिए ताकी ऐसा दिन न आये कि वरिष्ठजन की उपेक्षा हो। आज कल के परिवार, एकल परिवार की ओर बढ़ते जा रहे हैं। पहले हमारे परिवार में दादा, दादी हुआ करते थे जो हमें चंदा मामा और राजा रानी की कहानियां सुनाया करते थे। परन्तु आज कल के एकल परिवार में यह सब देखने को नहीं मिलता है। हमें अपने बच्चों को संस्कारवान बनाने की आवश्यकता है, हम अपने परिवार में बच्चों को श्रवण कुमार तो नहीं बना सकते हैं किन्तु उनके समान संस्कारवान बनाने का प्रयास करना चाहिए। ऐसा कहा जाता है कि जहां पर बुर्जूगों का सम्मान होता है वहां पर सुख, शांति एवं समृद्धि बनी रहती है। हमें ऐसा प्रयास करना चाहिए की हर घर परिवार के वरिष्ठजनों का सम्मान होना चाहिए।

उक्त कार्यक्रम का संचालन माननीय श्रीमती सुषमा लकड़ा मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, प्रभारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा किया गया। वहीं समाज कल्याण विभाग द्वारा जरूरत मंद को छड़ी वितरण किया गया एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा वरिष्ठजनों को स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराया। उक्त कार्यक्रम में श्री लालचंद अग्रवाल अध्यक्ष वरिष्ठ नागरिक संध सूरजपुर, श्री अनिल गोयल प्रदेश संरक्षक वरिष्ठ नागरिक संघ सूरजपुर, श्री डी.एन. चौबे अध्यक्ष पेंशनर संघ सूरजपुर, राजेन्द्र प्रसाद पाठक डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल, श्री अभिषेक भाई पटेल असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस कौंसिल एवं समस्त पैनल अधिवक्ता व समस्त पीएलव्ही कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से स्कूली बच्चों ने दिया मतदाता जागरूकता संदेश

भारत भास्कर से राधेश्याम कोरी की खास रिपोर्ट/ बिलासपुरः- 28 अगस्त 2023 को शहर के स्कूली एवं महाविद्यालयीन छात्र-छात्राओं के द्वारा स्वीप कार्यक्रम के तहत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। इन स्कूली बच्चों ने नुक्कड़ नाटक, मतदाता जागरूकता रैली, मानव श्रृंखला एवं पोस्टर के माध्यम से आम नागरिकों को निर्वाचन में निष्पक्ष मतदान करने हेतु प्रेरित किया। जिले में आगामी निर्वाचन को दृष्टिगत रखते हुए व्यापक स्तर पर स्वीप कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे

है। इसी क्रम में हाई स्कूल मोपका के छात्र-छात्राओं के द्वारा मतदाता जागरूकता अभियान के तहत मोपका चौक एवं मोहल्ले में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जागरूकता संदेश दिया गया। शासकीय हाई स्कूल लिंगियाडीह के बच्चों ने भी लिंगियाडीह गांव के नुक्कड़ों में जाकर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को मतदान के लिये जागरूक किया। मिशन हायर सेकेंडरी स्कूल के राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्र, पीएनएस महाविद्यालय एवं एसबीटी कॉलेज के छात्र-छात्राओं द्वारा बृहस्पति बाजार में मतदाता जागरूकता हेतु रैली निकाली गई एवं मानव श्रृंखला बनाकर मताधिकार का उपयोग करने का महत्व बताया। शासकीय बिलासा कन्या महाविद्यालय की छात्राओं ने मतदाता जागरूकता हेतु पोस्टर बनाकर लोगों से मतदान करने की अपील की।

आबकारी विभाग कर रही यात्री एवं मालवाहक वाहनों की सघन जांच

नन्दू यादव

सूरजपुर/भारत भास्कर आगामी विधानसभा निर्वाचन 2023 के मद्देनजर निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार सचिव सह आबकारी आयुक्त श्री जनक प्रसाद पाठक के द्वारा दिए गए, निर्देशों के तारतम्य में कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल एवं जिला आबकारी अधिकारी श्री आई.बी. सिंह मार्कण्डेय के मार्गदर्शन में विगत दिवस जिले की आबकारी विभाग के संयुक्त टीम के द्वारा सघन जांच अभियान चलाया गया। जिसमें बस स्टैंड सूरजपुर, जयनगर में गश्त कर 3 लीटर महुआ शराब 34 (द्व) क 4 लीटर महुआ शराब 34 (द्व) 1 लीटर शराब एवं 40 किलो महुआ लाहन धारा (34) 1 क च जप्त कर प्रकरण कायम किया साथ ही अवैध मदिरा परिवहन, संग्रहण तथा विक्रय की जांच की गई। सुरजपुर बस स्टैंड में यात्री वाहनो तथा मुसाफिरो के सामानों की, सुरजपुर अंबिकापुर मुख्य मार्ग में मालवाहक गाड़ियों खासकर अन्य प्रांत से आनेजाने वाले वाहन की जांच की गयी। उक्त कार्यवाही में सहायक जिला आबकारी अधिकारी सपना सिन्हा, आबकारी उप निरीक्षक सहदेव मरकाम, आबकारी आरक्षक ओम प्रकाश गुप्ता, पारसनाथ गुप्ता, दिनेश दुबे, मेवालाल सोनवानी, महिला नगर सैनिक बिंदु राजवाड़े देवेंद्र कुमारी तथा वाहन चालक प्रमोद साहू ,अजय राजवाड़े का महत्वपूर्ण योगदान रहा

संकल्प शिविर को अभूतपूर्व सफल बनावें - त्रिलोक चंद्र श्रीवास

बेलतरा विधानसभा क्षेत्र में आयोजित संकल्प शिविर को सफल बनाने हेतु बैठक संपन्न

भारत भास्कर से राधेश्याम कोरी की खास रिपोर्ट/ बिलासपुरः- बेलतरा विधानसभा क्षेत्र में 29 अगस्त को बहतरआई स्टेडियम में संकल्प शिविर का आयोजन रखा गया है, जिसमें प्रदेश के मुखिया यशस्वी मुख्यमंत्री माननीय भूपेश बघेल, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, उपमुख्यमंत्री जी, विधानसभा अध्यक्ष डॉ चरण दास महंत, छत्तीसगढ़ कांग्रेस संगठन के प्रभारी डॉक्टर चंदन यादव, विजय जांगिड़, सहित राजेश तिवारी, गिरीश देवांगन, विनोद वर्मा, सहित वरिष्ठ नेता सम्मिलित होंगे ,इस कार्यक्रम को अभूतपुर सफल बनाना है, और इस बार 75 पार, हमारे मुखिया ने नारा दिया है, इसे हमें चरितार्थ करते हुए बेलतरा में कांग्रेस का झंडा लहराना है, और बेलतरा विधानसभा में कांग्रेस को जीतने का कांग्रेस पार्टी को उम्मीदवार को जीतने का संकल्प लेना है, यह बातें प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव, पिछड़ा वर्ग के राष्ट्रीय नेता त्रिलोक चंद्र श्रीवास् ने आज बेलतरा विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ कांग्रेस जनों, पंचायत प्रतिनिधियों, समाज प्रमुख गनों के बैठक में कही, इस अवसर पर आगामी बेलतरा संकल्प शिविर को ऐतिहासिक रूप से सफल बनाने का संकल्प लिया गया, इस कार्यक्रम में बेलतरा विधानसभा क्षेत्र के 500 से ज्यादा वरिष्ठ कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे, जिसमें प्रमुख रूप से राधेश्याम तंबोली, पुरुषोत्तम चंद्राकर, राम प्रसाद चंद्राकर, तुकाराम चंद्राकर, पंडित प्रफुल्ल शर्मा, बंडारू साहू, बलदाऊ श्यामल, मनीराम जगत, महेश मिश्रा, नीलम शर्मा, रवि बघेल, पवन सिंह ठाकुर, मन्नू सूर्यवंशी सरपंच, उमेश श्रीवास सरपंच, भागीरथी पटेल, चरण सिंह राज, गणेश वर्मा, मनोज श्रीवास, मुकेश अग्रवाल, शुभम श्रीवास, पंडित जितेन शर्मा, जीतू मोहन श्रीवास, मनोज यादव, वीरू यादव, दीपक कश्यप, दीपक यादव, मुकेश खरे, सुखदेव तिवारी, दादू शिकारी, पहलवान शिकारी, उपेंद्र यादव, राम प्रसाद केवट, प्रभाकर गुप्ता, विष्णु साहू सहित सैकड़ो कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

आईटीआई कॉलेज के प्रभारी प्रिंसिपल ने छात्र से मांगा दो हजार रिश्वत, सप्ताह बाद भी जांच नही, अफसरों के कार्य शैली पर उठ रहे सवाल

नन्दू यादव

सूरजपुर। भारत भास्कर जिले के प्रेमनगर अद्यौगिक परीक्षण संस्थान आईटीआई कॉलेज में एक छात्र ने प्रभारी प्राचार्य द्वारा मनमानी करने उपस्थिति कम होना कह कर 2 दो हजार रिश्वत मांगने का आरोप लगाया है। जिसकी शिकायत तहसीलदार प्रेमनगर से की है। शिकायत के महीनों गुजर जाने के बाद भी आज तक कार्यवाही व जांच नही होने से अफसरों के कार्य शैली पर सवाल खड़े हो रहे है।

गौरतलब है कि प्रेमनगर नगर पंचायत तहसील परिसर में स्थित अद्यौगिक परीक्षण संस्थान आईटीआई कॉलेज प्रेमनगर में कोपा ट्रेड का छात्र उमेश कुमार पढ़ाई कर रहा था। जिसका परीक्षा 16 अगस्त से होना था। जिसके लिए फार्म भरने उमेश कुमार पिता नंद किशोर साहू, ग्राम चंदन नगर निवासी प्रभारी प्रिसिपल देव सिंह के पास गया। जहां 8 अगस्त को प्रभारी प्राचार्य देव सिंह द्वारा कहा गया कि तुम्हारा अटेंडेंस 16प्रतिशत है। तुम परीक्षा में नही बैठ सकते हो इसके लिए तुम्हे 2 हजार रुपये देना पड़ेगा और् 200 हजार रुपये विलंब शुल्क,राशि व्यवस्था कर आवेदक ने प्राचार्य को दिया था। जिसके बाद शिक्षक ने प्रवेश पत्र छात्र को उपलब्ध कराया था। जिसके बाद

घर में डांटने के बाद राशि वापस मांग लिया था। जिसके जिसका अपने फ़ोन के कैमरा में वीडियो कैद कर लिया था। वीडियो बनाने की सूचना मिलते ही प्राचार्य द्वारा पुलिस का रौब दिखा कर आवेदक के फोन से समस्त वीडियो डिलीट करवा दिया है। आवेदक ने 11 अगस्त को क्लेक्टर के नाम से तहसीलदार को लिखित शिकायत देकर कार्यवाही की मांग की गई। जिस पर तहसीलदार ने जांच कर कार्यवाही का आश्वासन दिया था किंतु आज तक इन मामले की जांच करना प्रशासन ने उचित नही समझा है। इस सम्बंध में प्रेमनगर विधानसभा विधायक प्रत्याशी भूलन सिंह मराबी को भी लिखित शिकायत देकर मामले को अवगत कराया गया था। जिस पर श्री मराबी ने न्याय मिलने का आश्वासन दिया था। जिसके बाद भी आज तक जांच नही होने से कई तरह के सवाल खड़े हो रहे है।

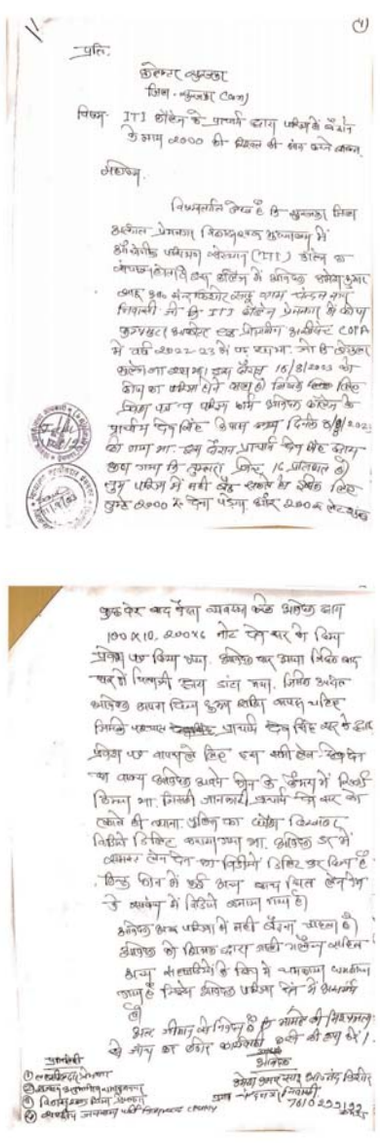

बी पी मंडल जयंती पर विचार संगोष्ठी का आयोजन

कोरबा। जिला कांग्रेस कमेटी कोरबा ग्रामीण पिछड़ा वर्ग विभाग शहर एवं ग्रामीण के द्वारा बी पी मंडल जयंती एवं विचार संगोष्ठी का आयोजन जिला कांग्रेस कार्यालय कोरबा में किया गया।सर्व प्रथम बी पी मंडल के तैल चित्र पर सम्माननीय अतिथियों के द्वारा माल्यार्पण किया गया।

महापौर राजकिशोर प्रसाद के मुख्य आतिथ्य में आयोजित कार्यक्रम में सभापति नगर पालिक निगम कोरबा श्यामसुंदर सोनी एवं पिछड़ा वर्ग कांग्रेस के उपाध्यक्ष दिलीप कौशिक कार्यक्रम प्रभारी के उपस्थिति में महापौर ने कहा पिछड़ा वर्ग की आबादी कोरबा में 51 प्रतिशत है। चूंकि पिछड़ा वर्ग की आबादी ज्यादा है इसलिए जिम्मेदारी भी ज्यादा है। बी पी मंडल ने मंडल कमीशन में पिछड़ा वर्ग समाज के उत्थान के लिए कई योजनाओं की सिफारिश की जिससे भारत में समानता एवं सामाजिक विकास का दौर आया। सभापति श्यामसुंदर सोनी ने बी पी मंडल के जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा बी पी मंडल जी के पिताजी कांग्रेस पार्टी के संस्थापक सदस्य रहे। तत्कालीन समय में भारतीय समाज में सामाजिक असमानता, ऊंच.नीच, का समय था। जब एक गरीब व्यक्ति अपनी बात कहने से डरता था। नागरिक जन सुविधाएं उपलब्ध नहीं थी। 1978 में जब पिछड़ा वर्ग के लिए आयोग का गठन किया गया। बिहार के मुख्यमंत्री एवं सांसद रहे बी पी मंडल जी को कमीशन का अध्यक्ष बनाया गया। बी पी मंडल कमीशन ने पिछड़े समाज के उत्थान एवं विकास के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण, जमीन आवंटन, शिक्षा का अधिकार, सरकारी एवं निजी संस्थानों में आरक्षण के आधार पर पदोन्नति, इस प्रकार चालीस बिंदुओं पर सिफारिश किया गया। अगर मंडल कमीशन की सिफारिश तत्कालीन सरकार द्वारा लागू कर दी जाती तो भारतीय समाज की तस्वीर बदल गई होती। बी पी मंडल जयंती में विचार संगोष्ठी कार्यक्रम प्रभारी दिलीप कौशिक ने कहा बी पी मंडल जी महान समाज सुधारक थे जिन्होंने पिछड़ा वर्ग समाज के विकास के लिए कार्य किया। वर्तमान में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के द्वारा पिछड़ा वर्ग के लिए अनेक योजनाएं लागू की गई है जिससे समाज का विकास हो रहा है। समस्त पिछड़ावर्ग कांग्रेस कार्यकताओं के द्वारा श्यामसुंदर सोनी को प्रदेश कांग्रेस कमेटी में प्रदेश सचिव नियुक्त होने पर पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया।

कार्यक्रम का संचालन राजेश मानिकपुरी जिलाध्यक्ष कोरबा ग्रामीण के द्वारा किया गया एवं गजानंद प्रसाद साहू जिलाध्यक्ष शहर कोरबा ने समस्त कार्यकर्ताओ एवं सम्मानित अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में लक्ष्मी नारायण देवांगन, उमेश कश्यप प्रदेश सचिव, दुर्गा प्रसाद महतो जिला उपाध्यक्ष ग्रामीण रामकुमार वर्मा महामंत्री, चन्द्र कुमार निर्णेजक, देव जायसवाल, प्रेमलाल साहू, गणेश दास महंत, बजरंग दास महंत, संतोष दास महंत, इंद्र कुमार राठौर, हेमकुमार राठौर, रामदुलार, अंजली वैष्णव, कृष्णी राठौर, भूवनेश्वर राठौर, ज्योति कौशिक, विजय बरेठ, रामगोपाल यादव, हीरालाल यादव, छोटे लाल, फिरतुराम, प्रमोद कुमार डिक्सेना, आगर दास मानिकपुरी, प्रसन्ना महंत, दिलसाद अली सहित पिछड़ा वर्ग कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नए कानून क्या न्याय की गारंटी होंगे?

अजीत द्विवेदी

भारतीय दंड संहिता की जगह अब भारतीय न्याय संहिता लागू की जाएगी। अपराध प्रक्रिया संहिता की जगह अब भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता लागू होगी और साक्ष्य कानून की जगह भारतीय साक्ष्य कानून लागू होगा। केंद्र सरकार ने इसके लिए मॉनसून सत्र में तीन विधेयक पेश किए और तीनों विधेयकों को गृह मामलों की संसदीय समिति के पास विचार के लिए भेज दिया गया है। संसदीय समिति को तीन महीने का समय दिया गया है। इसका मतलब है कि नवंबर में जब संसद का शीतकालीन सत्र शुरू होगा तब तक संसदीय समिति की रिपोर्ट आ चुकी होगी और उसके हिसाब से सुझावों-संशोधनों को इसमें शामिल करके बिल को पास कराने के लिए संसद में रखा जा सकता है। अगर ये तीनों बिल पास हो जाते हैं, जिसकी पूरी संभावना है तो यह देश की न्यायिक व्यवस्था में एक नए दौर की शुरुआत होगी।

ध्यान रहे भारतीय दंड संहिता 1861 में लागू की गई थी, जिसे थोड़े बहुत बदलाव के साथ अभी तक जारी रखा गया है। अपराध प्रक्रिया संहिता को 1973 में लागू किया गया था और साक्ष्य कानून 1872 में अस्तित्व में आया था। इनमें समय समय पर बदलाव किया गया और देश, समाज की बदलती जरूरतों के हिसाब से इन्हें नया रूप देने की कोशिश की गई। लेकिन कभी भी इसे पूरी तरह से बदलने का प्रयास नहीं हुआ या मौजूदा समय की जरूरत के हिसाब से व्यापक बदलाव नहीं किया गया। इस लिहाज से कह सकते हैं कि सरकार का प्रयास गंभीर है, जरूरी है और व्यापक भी है। लंबे विचार विमर्श के बाद इन तीनों कानूनों में बदलाव का मसौदा बना है और उसे संसद में रखा गया है।

इन तीनों कानूनों में बदलाव के लिए पेश किए गए मसौदे पर कानूनी जानकारों ने बहुत बारीकी से विचार किया है और इसकी कमियों, खूबियों को उजागर किया है। हालांकि देश के अनेक जाने-माने कानूनी जानकार दलगत निष्ठा से बंधे हुए हैं या वैचारिक आधार पर मुख्तलिफ राय रखते हैं। इसलिए उनकी समीक्षा बुनियादी रूप से एकतरफा है। ऐसा नहीं है कि इन तीनों कानूनों में सब कुछ खराब है। इसमें कुछ अच्छी और जरूरी चीजें भी हैं लेकिन इसकी जो खामी है वह बहुत बड़ी है और उम्मीद करनी चाहिए कि संसदीय समिति उस पर गंभीरता से विचार करेगी और सरकार को उसे बदलने की सिफारिश करेगी। अपराध प्रक्रिया संहिता की जगह सरकार भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता का जो मसौदा लेकर आई है उसमें सबसे बड़ी खामी किसी नागरिक को बिना आरोप लगाए तीन महीने तक पुलिस हिरासत में रखने का प्रावधान है। इसे बदला जाना चाहिए।

मौजूदा अपराध प्रक्रिया संहिता में किसी भी नागरिक को बिना आरोप लगाए 60 दिन तक पुलिस हिरासत में रखा जा सकता है। तभी गिरफ्तारी के 24 घंटे के अंदर पुलिस किसी आरोपी को अदालत में पेश करती है और अदालत उसे दो बार या तीन बार पुलिस हिरासत में भेजती है उसके बाद आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया जाता है। नए कानून में प्रावधान है कि गिरफ्तारी के बाद आरोपी को 60 दिन तक हिरासत में रखा जा सकता है और फिर 90 दिन तक बढ़ाया जा सकता है। यह बहुत कठोर और बर्बर प्रावधान है। किसी भी व्यक्ति को बगैर न्यायिक अभिरक्षा के इतने लंबे समय तक अगर पुलिस की हिरासत में रखा जाता है तो यह उसके साथ बहुत बड़ी ज्यादती होगी। इतनी लंबी अवधि में उसके ऊपर दबाव बनाने और उससे जोर जबरदस्ती गुनाह कबूल कराने की संभावना रहेगी। पुलिस हिरासत की इतनी लंबी अवधि किसी को भी तोड़ सकती है। इसमें गुनाहगार और बेगुनाह दोनों के साथ ज्यादती की संभावना है।

इस तरह का प्रावधान करते समय मसौदा तैयार करने वाले जानकारों को दुनिया की बेस्ट प्रैक्टिस के बारे में जानकारी लेनी चाहिए थी। दुनिया में सबसे बेस्ट प्रैक्टिस स्कॉटलैंड में है, जहां बिना आरोप लगाए किसी भी व्यक्ति को सिर्फ छह घंटे तक पुलिस हिरासत में रखा जा सकता है। अगर छह घंटे की अवधि बहुत कम है तो इसे छह दिन किया जा सकता है लेकिन 90 दिन की पुलिस हिरासत का प्रावधान इस पूरी कवायद पर एक दाग है, जिसे हटाना सबसे जरूरी है। इसी तरह से एक कठोर प्रावधान हथकड़ी लगाने का है। भारत में इसका प्रावधान नहीं है लेकिन नए कानून में पुलिस को अपने विवेक से हथकड़ी लगाने का अधिकार दिया जाएगा। इसी तरह विशेष स्थितियों में रात में महिलाओं की गिरफ्तारी का अधिकार दिया जा रहा है और किसी भी गिरफ्तारी के समय हर तरह के उपायों का इस्तेमाल करने का अधिकार भी पुलिस को दिया जा रहा है। अगर यह कानून बनता है तो गिरफ्तारी के समय हिंसा और यहां तक की इनकाउंटर तक को वैधता मिल जाएगी।

भारतीय न्याय संहिता में सरकार ने देशद्रोह की धारा हटा दी है लेकिन राज्य के प्रति अपराध को शामिल कर लिया है, जो पहले वाले कानून से ही मिलता जुलता है। राज्य के खिलाफ बोलने या किसी भी माध्यम से की जाने वाली अभिव्यक्ति या वित्तीय लेन-देन को लेकर यह कानून लागू किया जा सकता है। इसमें सात साल से उम्रकैद तक की सजा है। इसलिए कुछ ज्यादा बदलाव होते नहीं दिख रहे हैं, बल्कि पुलिस को पहले के मुकाबले स्वविवेक से ज्यादा फैसले करने का अधिकार दिया जा रहा है। इसके अलावा वकीलों से लेकर आम लोगों तक के लिए एक मुश्किल कानून की धाराओं के नंबर बदले जाने से होगी। नए कानून में हत्या के लिए 302 की जगह धारा 101 लगेगी और धोखाधड़ी के लिए धारा 420 की जगह 316 होगी। पिछले 163 साल में लोगों की जुबान पर ये धाराएं हैं। पुराने मामलों में मुकदमे इन्हीं धाराओं में चल रहे हैं और दस्तावेजों में पुरानी धाराएं ही लिखी हुई हैं। सो, एक ही अपराध के लिए दो-दो धाराएं कानूनी प्रक्रिया में इस्तेमाल होंगी, इससे कंफ्यूजन बनेगा।

बहरहाल, इस कानून में कुछ अच्छे प्रावधान हैं, जैसे इसमें कहा गया है कि किसी भी व्यक्ति या संस्था के खिलाफ शिकायत मिलने से लेकर जांच और अदालत में सुनवाई तक का पूरा रिकॉर्ड डिजिटल रखा जाएगा। इसका फायदा यह होगा कि सभी पक्षों के लिए सारी जानकारी को एक्सेस करना बहुत आसान हो जाएगा। इसे लंबे समय तक सुरक्षित रखा जा सकेगा और बहुत आसानी से एक्सेस किया जा सकेगा। एक दूसरा प्रावधान यह है कि पुलिस किसी व्यक्ति के यहां छापा मारती है या उसे गिरफ्तार करने जाती है तो पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी होगी। इससे गिरफ्तारी या छापे के समय होने वाली ज्यादतियों में कमी आएगी और किसी को गलत तरीके से फंसाने के लिए सबूत प्लांट करने की घटनाएं बंद होंगी या कम होंगी।

तीनों नए कानूनों में ढेर सारे प्रावधान हैं, जिन पर बारीकी से विचार करने की जरूरत है। लेकिन इन कानूनों पर विचार के बीच एक बड़ा सवाल यह भी है कि सिर्फ कानून बदलने से क्या होगा? कानून को लागू करने वाला सिस्टम जब वही है तो कानून या उसकी धाराओं में बदलाव कर देने से क्या बदलेगा? देश का पुलिस सिस्टम नहीं बदला जा रहा है। दुनिया के विकसित देशों में लॉ एंड ऑर्डर, इन्वेस्टिगेशन और प्रॉसीक्यूशन के लिए अलग अलग पुलिस होती है। भारत में एक ही पुलिस सारे काम करती है। अगर पुलिस सिस्टम को नहीं बदला जाता है, पुलिस का बेहतर प्रशिक्षण नहीं होता है तब तक कानून बदलने का कोई खास फायदा नहीं होगा। न्यायिक व्यवस्था भी पहले वाली ही रहनी है। बुनियादी ढांचे की कमी की वजह से नीचे से लेकर ऊपर तक जजों की संख्या नहीं बढ़ाई जा रही है, जिसका नतीजा यह है कि मुकदमों का अंबार और बढ़ता जा रहा है। कानून में बदलाव के साथ साथ अगर इसमें भी सुधार किया जाता तो ज्यादा बेहतर होता।

संपादकीय

राष्ट्रीय गर्व का अवसर

इस सफलता को और बड़ा आयाम देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे मानवता की कामयाबी बताया। उनका यह कथन महत्त्वपूर्ण है कि यह कामयाबी संकेत देती है कि विकासशील देश भी इसी तरह की बड़ी उपलब्धियां प्राप्त कर सकते हैं। चंद्रयान-3 अभियान की सफलता हर लिहाज से राष्ट्रीय गर्व का विषय है। सारा देश दम साधे इस मौके का इंतजार कर रहा था, उसकी वजह यही है कि विज्ञान ने चाहे जितनी तरक्की की हो, लेकिन चांद पर लैंडर को सटीक ढंग से उतार देना आज भी आसान नहीं है। आशंकाएं कई वजहों से थीं। एक तो चंद्रयान-2 की विफलता की याद आज भी ताजा है, दूसरे चंद्रयान-3 के चांद पर उतरने से कुछ ही दिन पहले रूस का यान लूना दुर्घटनाग्रस्त हो गया। फिर मंगलवार शाम को अचानक यह खबर तेजी से फैली कि लैंडर की सेहत को देखते हुए यान को चांद की सतह पर उतारने का काम 27 अगस्त तक के लिए टाला जा सकता है। लेकिन तमाम आशंकाएं निर्मूल साबित हुईं और इस तरह चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर अपना यान उतारने वाला भारत दुनियाका पहला देश बन गया है। इस सफलता को और बड़ा आयाम देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे मानवता की कामयाबी बताया। उनका यह कथन महत्त्वपूर्ण है कि यह कामयाबी इस बात का संकेत देती है कि विकासशील देश भी इसी तरह की बड़ी कामयाबियां हासिल कर सकते हैं। यह हकीकत है कि इस सफलता पर पूरी विकासशील दुनिया में खुशी देखी गई है। इस ओर ध्यान खींचा गया है कि चंद्रमा पर शोध के अभियान में इस समय जो तीन देश प्रमुखता से जुटे हुए हैं, वे सभी यानी भारत, रूस और चीन विकासशील देशों के उभरते मंच ब्रिक्स के सदस्य हैं। यह सचमुच दुनिया के इतिहास में एक नया अध्याय है, जब विकासशील देश दर्शक नहीं, बल्कि बारीक वैज्ञानिक गतिविधियों की पात्र बन कर उभरे हैं। भारत ने यह सफलता लंबे प्रयास और स्वतंत्रता के बाद तुरंत सत्ता में आए नेतृत्व की दूरंदेशी के बूते हासिल की है। यह सफलता अनेक रुकावटों को पार करते हुए प्राप्त की गई है। यह गौरतलब है कि जब चंद्रयान-1 अभियान सफल हुआ था, तब 1998 के परमाणु परीक्षणों के बाद पश्चिमी देशों की तरफ से भारत पर लगाए गए कई तकनीकी प्रतिबंध अभी भी लागू थे। तब से आज तक भारत काफी आगे बढ़ा है। यह सचमुच गर्व का विषय है।

प्रिगोजिन की मौत, पुतिन का बदला?

श्रुति व्यास

यह तो होना ही था। रूस की प्राईवेट आर्मी के प्रमुख येवगेनी प्रिगोजिन की मौत का फरमान उसी दिन जारी हो हो गया था जिस दिन उन्होंने व्लादिमिर पुतिन के खिलाफ नाकाम बगावत की थी। रूसी बदला लेने के लिए जाने जाते हैं और पुतिन का ट्रेक रिकार्ड है वे किसी को नहीं बख्शते, अपनों को भी नहीं। व्लादिमिर पुतिन के दौर में तो किसी का बचना मुमकिन ही नहीं है। प्रिगोजिन ने न केवल पुतिन की पीठ में छुरा भोंका था बल्कि उनकी बगावत से पुतिन की सत्ता, जिसे स्थिर माना जाता था, की कमजोरियां भी सामने आ गई थीं। पुतिन की सर्वोच्चता की कलई खुल गई थी। गद्दार कभी दुबारा पुतिन का भरोसा हासिल नहीं कर पाते और वे अपने विरोधियों को दो श्रेणियों में बांटने के लिए जाने जाते हैं ङ्क दुश्मन और गद्दार। प्रिगोजिन की बगावत ने उन्हें निश्चित ही उन्हें दूसरी श्रेणी में रख दिया था। कई लोगों को तब बहुत आश्चर्य हुआ था जब पुतिन ने टेलिविजन पर देश को संबोधित करते हुए प्रिगोजिन को बेलारूस के अलेक्जेन्डर लुकासेन्को से सौदेबाजी करने और रूस से बाहर जाने की इजाजत दे दी थी। लेकिन प्रिगोजिन लंबे समय तक जीवित रह पाएंगे, इसमें गंभीर संदेह था। सीआईए के डायरेक्टर विलियम बर्न्स का कहना है कि बदला एक ऐसा व्यंजन है जिसे पुतिन ठंडा परोसा जाना पसंद करते हैं। और बगावत के ठीक दो महीने बाद, 23 अगस्त को पुतिन ने बदला लिया। कम से कम लगता तो यही है। प्रिगोजिन का हवाईजहाज़ ङ्क जिस पर अमेरिका ने प्रतिबंध लगाया हुआ है ङ्क करीब 30,000 फीट की ऊँचाई पर उड़ रहा था। वह अचानक तेजी से नीचे गिरने लगा और ज़मीन पर गिर पड़ा। विमान में सवार सभी दस लोग मारे गए। रूस की एविएशन एजेंसी और सरकारी मीडिया के अनुसार इनमें प्रिगोजिन भी थे। प्रिगोजिन के वेगनर ग्रुप के प्रमुह सिपहसलार दिमित्री उत्किन, जिन्होंने जून में मास्को के लिए कूच करने वाले फौजी दस्ते का नेतृत्व किया था, का नाम भी यात्रियों की सूची में था। अभी तक पक्के तौर पर यह पता नहीं चला है कि इस विमान दुर्घटना की वजह क्या थी? चश्मदीदों ने जेट के गिरने से पहले विस्फोट की आवाज सुनने की बात कही है, जिससे ऐसा लगता है कि एयर डिफेन्स फोर्सेज ने जहाज़ को मार गिराया। अंतर्राष्ट्रीय समुदाय मानता है कि निश्चित ही यह पुतिन के हुक्म पर किया गया होगा। अमरीका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने साफ़ शब्दों में कहा कि क्या हुआ इसकी सटीक जानकारी मुझे नहीं है लेकिन जो हुआ उस पर मुझे कोई आश्चर्य नहीं है। रूस में पुतिन की मर्जी के बिना ज्यादा कुछ नहीं होता। लेकिन मुझे इतनी जानकारी नहीं है कि मैं इसका सही-सही जवाब दे सकूं। यूक्रेन के राष्ट्रपति के सहायक मायखायलो पोडोलयाक ने कहा कि विमान का गिरना पुतिन का 2024 के चुनाव के पहले रूस के कुलीन वर्ग के लिए एक कड़ा संदेश है। समझ लो- वफादार न होने का मतलब है मौत। ज्यादातर विशेषज्ञों, विश्लेषकों, पत्रकारों और रूसियों को यह बात सही लगती है। यूक्रेन पर हमले के बाद से रूसियों के मन में भी पुतिन की छवि 'एंटी हीरो' की हो गई है। खासकर कुलीन वर्ग उनसे काफी नाराज है क्योंकि रूस पर लगे प्रतिबंधों का उनके व्यापार और उनकी हैसियत पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ा है। और प्रिगोश्चद्धन के पहले भी कई रूसी कुलीन व्यपारी, जो जाने-माने नहीं थे, मारे गए हैं। पिछले डेढ़ साल में गैस-उद्योग से जुड़े दो अधिकारियों की लाश सुसाइड नोट के साथ मिल चुकी है। तीन रूसी अधिकारी अपनी पत्नियों और संतानों के साथ मृत पाए गए, जो शायद हत्या-आत्महत्या के मामले थे। सूची स्थित एक रिसोर्ट के मालिक की लाश एक खड़ी चट्टान के निचले सिरे पर मिली। सेंट पीटर्सबर्ग में एक अन्य अधिकारी का शव एक स्विमिंग पूल में तैरता हुआ मिला। कुछ अन्य लोग मास्को, भारत, फ्रेंच रिवेरा और वाशिंगटन डीसी में खिड़की से गिर गए या सीढ़ी से लुढ़क गए। प्रिगोजिन की हत्या ङ्क जो एक हाईप्रोफाइल कत्ल है ङ्क से सभी को यह साफ और जोरदार संदेश दिया गया है कि रूस में कोई भी पुतिन से पंगा नहीं ले सकता। प्रिगोजिन की बगावत, उनकी हत्या, अन्य कुलीनों के क़त्ल, एक युद्ध जिसमें वे हार की ओर बढ़ रहे हैं और एक भयभीत पुतिन ङ्क यह सब इस ओर इशारा करता है कि रूस कमजोर होता जा रहा है। हमले के बाद से रूस में एकता नहीं हैं, वहां की जनता और वहां का कुलीन वर्ग दोनों में से कोई भी युद्ध और पुतिन जिस रास्ते पर चल रहे हैं, उसे लेकर एकमत नहीं है। क्रेमलिन में भी मतभेद हैं जो बढ़ते जा रहे हैं और रूसी नेतृत्व की विभिन्न शाखाओं में समन्वय भी नहीं है। वेगनर से जुड़े एक समूह ग्रे जोन ने टेलीग्राम पर धमकी दी है कि इस हत्या के नतीजे गंभीर होंगे और जिन लोगों ने इसका हुक्म दिया है वे सेना के मूड और उसके मनोबल को बिलकुल नहीं समझते हैं। जहां तक व्लादिमिर पुतिन का सवाल है, हो सकता है आज उन्होंने अपनी स्थिति को मजबूत कर लिया हो। वे स्ट्रोंगमैन बने हुए हैं। लेकिन प्रिगोजिन की हत्या से और खुलासे होंगे और रूस में पीठ में छुरा भोंकने, हत्याओं और हमलों में और इज़ाफा होगा।

ब्रिक्स तो चीन का ही फ्रंट है

हरिशंकर व्यास

चंद्रयान-तीन की सफलता, राष्ट्रवाद के उफान और मोदी के विश्व नेतृत्व के बीच यह नहीं देखा जा रहा है कि पांच देशों के समूह ब्रिक्स के विस्तार की कूटनीति असल में चीन की कूटनीति का हिस्सा है। ब्रिक्स उसी तरह से चीन का फ्रंट है, जैसे शंघाई सहयोग संगठन है। एक एक करके जिस तरह से शंघाई सहयोग संगठन में नए सदस्य जुड़ रहे हैं और फिर उनको ब्रिक्स में जगह मिल रही है वह नई विश्व व्यवस्था में चीन की जगह मजबूत करने वाला साबित हो सकता है। मिसाल के तौर पर कुछ समय पहले ही ईरान को शंघाई सहयोग संगठन का सदस्य बनाया गया और अब जोहान्सबर्ग में उसको ब्रिक्स का पूर्ण सदस्य बनाने का फैसला भी हो गया। इसमें संदेह नहीं है कि ईरान के साथ भारत के संबंध भी अच्छे हैं और भारतीय मुद्रा में उसके साथ भारत का कारोबार चलता रहा है। लेकिन ऐसा नहीं है कि भारत ने उसको एससीओ या ब्रिक्स में शामिल कराने की पहल की है। भले अभी कुछ भी कहा जाए लेकिन थोड़े समय पहले तक भारत ब्रिक्स के विस्तार के समर्थन में नहीं था। तभी अंतरराष्ट्रीय मीडिया ने इस तरह की खबरें दी थीं। यह अनायास नहीं है कि ब्रिक्स के विस्तार को साइनोफोबिया यानी चीन के प्रति भय की तरह पेश किया गया। यह कहा गया कि ब्रिक्स का विस्तार करके चीन अपना प्रभाव बढ़ाना चाहता है। ब्रिक्स में शामिल भारत और ब्राजील दोनों के बारे में कहा जा रहा था कि वे विस्तार के पक्ष में नहीं हैं। यह भी कहा जा रहा था कि ये दोनों देश पश्चिमी देशों खास कर अमेरिका को नाराज नहीं करना चाहते हैं।

अभी जोहान्सबर्ग में हुए 15वें ब्रिक्स सम्मेलन में जिन छह देशों को इसका सदस्य बनाया गया है उनमें से अर्जेंटीना के बारे में कहा जा रहा था कि वह इसका हिस्सा बनने के लिए इच्छुक नहीं था। लेकिन चीन ने ब्राजील के राष्ट्रपति लूला की मदद से उसको तैयार कराया कि वह ब्रिक्स का सदस्य बने। ईरान और इंडोनेशिया का नाम पहले से तय बताया जा रहा था लेकिन किसी कारण से इंडोनेशिया को इस बार नहीं शामिल किया गया। छह में से चार इस्लामिक देश इसका हिस्सा बने हैं। हालांकि इनमें से सऊदी अरब, मिस्र और संयुक्त अरब अमीरात पर अमेरिका का असर है और उनकी कूटनीति व अर्थनीति दोनों अमेरिका के साथ जुड़ी है। लेकिन चीन को पता है कि अगर आने वाले दिनों में टकराव बढ़ता या सचमुच दुनिया सभ्यताओं के संघर्ष की ओर बढ़ेगी तो ये इस्लामी देश अंतत: उसके साथ आएंगे। ध्यान रहे छह नए देशों में से चार इस्लामिक मुल्क हैं और इथियोपिया में भी 30 फीसदी से ज्यादा आबादी मुस्लिम है। यह भी तथ्य है कि इन सभी छह नए देशों में चीन का बहुत बड़ा निवेश है। यह सही है कि इनके साथ भारत के भी अच्छे संबंध हैं लेकिन चीन के साथ इन देशों की अर्थव्यवस्था जुड़ी है।

अमेरिका और यूरोपीय देशों को भारत से खतरा नहीं है, बल्कि वे भारत की मदद से चीन के खतरे को काबू करने की सोच रहे हैं और इसलिए भारत को ज्यादा महत्व दे रहे हैं। लेकिन उनको भी लग रहा है कि ब्रिक्स का विस्तार जी-सात, नाटो या यूरोपीय संघ के लिए चुनौती है। वे इसे इन तीनों संगठनों के विकल्प के तौर पर चीन के प्रयास के रूप में देख रहे हैं। इसका कारण यह भी है कि ब्रिक्स एक राजनीतिक व कूटनीतिक संगठन के तौर पर तो मजबूत हो ही रहा है साथ ही ब्रिक्स बैंक यानी न्यू डेवलपमेंट बैंक भी बहुत मजबूत हो रहा है। ब्रिक्स में छह नए देशों को शामिल करने से पहले ही संयुक्त अरब अमीरात, बांग्लादेश और मिस्र को इसका सदस्य बनाया गया है और लैटिन अमेरिकी देश उरुग्वे को सदस्य बनाने की प्रक्रिया चल रही है। इस साल मई तक एक सौ के करीब अंतरराष्ट्रीय परियोजनाओं के लिए ब्रिक्स बैंक ने करीब 33 अरब डॉलर का कर्ज सदस्य देशों को दिया था। अगर ब्रिक्स में नए सदस्य जुड़ते हैं और साथ साथ ब्रिक्स बैंक के देशों की सदस्यता बढ़ती है तो इसके लिए पूंजी जुटाने और सदस्य देशों की परियोजनाओं के लिए फंडिंग करने में भी आसानी होगी। तभी न्यू डेवलपमेंट बैंक को पश्चिमी देशों की फंडिंग से चलने वाली अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं जैसे विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के लिए चुनौती की तरह देखा जा रहा है। अभी एक दर्जन से ज्यादा देश ब्रिक्स की सदस्यता मिलने की उम्मीद कर रहे हैं। तभी अमेरिका और यूरोपीय देश इसे लेकर चिंता में हैं तो दूसरी ओर चीन अफ्रीका व लैटिन अमेरिका में अपने सहयोगी देशों की मदद से इसे आगे बढ़ा रहा है। भारत महाशक्तियों के इस खेल में क्या भूमिका निभा पाएगा यह कहना अभी मुश्किल है।

जिनपिंग और मोदी सुलझाएं सीमा विवाद

प्रभुनाथ शुक्ल

दक्षिण अफ्रीका के जोहानिसबर्ग में आयोजित ब्रिक्स सम्मेलन से भारत -चीन के संबंधों पर एक सकारात्मक संदेश आया है। दोकलाम विवाद के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति जिनपिंग कई सालों बाद हाथ बढ़ाया है। हालांकि दोनों नेताओं के मुलाकात की कोई उम्मीद नहीं थी। क्योंकि ब्रिक्स सम्मेलन का यह अंतिम दिन था। इस मुलाकात को लेकर सवाल भी उठ रहे हैं कि पहल किसकी ओर से की गई। वैसे दोनों शीर्ष नेताओं की मुलाकात के बाद भारत-चीन ने बीच सीमा विवाद पर आपसी सहमति बनी है। दोनों देशों के बीच संवेदनशील सीमा क्षेत्र से सैन्यबलों की वापसी पर भी बातचीत हुई है। चीन ने भी कहा है कि दोनों देशों के मध्य आपसी सहमति और शांति आवश्यक है। हालांकि भारत, चीन को पहले ही तल्ख़ संदेश दे चुका था कि जब तक सीमा पर शांति नहीं होगी तबतक बातचीत संभव नहीं है।

दक्षिण अफ्रीका में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग ने सकारात्मक संदेश देने का काम किया है। एशिया में भारत और चीन सशक्त राष्ट्र हैं। लेकिन दोनों महाशक्तियों के बीच शांति की बात पश्चिमी देशों को नहीं पचती। वे चाहते हैं कि भारत और चीन आपसी विवादों में उलझे रहे जिससे दोनों देशों में हथियार की होड़ बढ़ती रहे। भारत और चीन के लिए यह बेहतर होगा कि सीमा की सुरक्षा के लेकर दोनों एक दूसरे के भरोसे का सम्मान करें। एक दूसरे से आंतरिक भय से बचें और आपस में विश्वास कायम रखें। लेकिन चालबाज चीन अपनी नीति पर कितना अडिग रहेगा यह वक्त बताएगा।

भारत -चीन के विदेश सचिवों ने मोदी और जिनपिंग की मुलाकात के बाद यह कहा है कि लद्दाख क्षेत्र में दोनों देश सीमा पर शांति बहाली के लिए तैयार हो गए। सैन्य अधिकारियों को निर्देश भी दिए गए हैं कि संबंधित इलाकों में सैन्य दबाव कम किया जाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चीन के राष्ट्रपति जिनपिंग से साफ तौर पर कहा है कि वास्तविक नियंत्रण रेखा पर जब तक शांति नहीं होगी तब तक दोनों देशों के बीच तनाव कम नहीं हो पाएगा। निश्चित रूप से ऐसे हालात तभी बनेंगे जब दोनों देश एक दूसरे पर भरोसा करेंगे। इसके पूर्व इंडोनेशिया में दोनों नेताओं की जी-20 के सम्मेलन में सीमा विवाद पर बातचीत हुई थी।

भारत और चीन के मध्य अगर सीमा विवाद सुलझ जाते हैं तो दोनों देश सैन्य सुरक्षा पर अधिक खर्च करने के बजाय अपनी विकास योजनाओं पर पैसा लगाएंगे। दूसरी सबसे महत्वपूर्ण बात यह होगी कि भारत और चीन की सीमा विवाद का लाभ ताकतवर पश्चिमी देश नहीं उठा पाएंगे। अमेरिका और दूसरे यूरोपीय देश यह नहीं चाहते हैं कि भारत और चीन के मध्य सीमा विवाद खत्म हो जाए। अमेरिका वैश्विक मंच पर भारत के साथ भले खड़ा दिखता है। लेकिन आंतरिक रूप से वह नहीं चाहता कि भारत और चीन आपस में शांति से रहे। क्योंकि चीन अमेरिका को चुनौती देने की तरफ बढ़ रहा है। दूसरी तरफ चीन और रूस में नजदीकियां है। जबकि अमेरिका दोनों का दुश्मन। लेकिन भारत के साथ खड़ा होना सिर्फ उसकी की व्यवसाय नीति है।

सीमा सुरक्षा को लेकर दोनों देश एक दूसरे से आंतरिक रूप से डरते हैं। दोनों देश अपने -अपने सीमा क्षेत्र में सड़क, सैन्य एयरवेस, पुल और अन्य महत्वपूर्ण विकास कर रहे हैं। जिसकी वजह से दोनों देशों के मध्य हमेशा सीमा सुरक्षा को लेकर तनाव बना रहता है। हालांकि भारतीय सुरक्षा बलों की तरफ से सीमा का कभी उल्लंघन नहीं किया जाता। लेकिन चीन अपनी चाल से बाज नहीं आता। क्योंकि चीन भरोसे लायक नहीं है। वह भारत की बढ़ती तागत से भी घबराने लगा है। चंद्रयान- 3 की सफलता ने दुनिया भर में भारत का दबदबा कायम किया है। इस कामयाबी से आंतरिक रूप से चीन भी प्रभावित हुआ है। भारत अब काफी बदल चुका है। दुनिया भारत पर भरोसा करती है। ग्लोबल स्तर भर भारत की तागत बढ़ी है।

भारत और चीन के बीच सीमा विवाद कोई नया नहीं है। 1950 से यह विवाद चला आ रहा है। इसी सीमा विवाद को लेकर 1962 में भारत और चीन के बीच युद्ध भी हुए। दोनों देशों के बीच तकरीबन 3500 किलोमीटर की वास्तविक नियंत्रण रेखा। अक्साई चीन जो भारत का है। वह लद्दाख का क्षेत्र है लेकिन इस पर चीन का कब्जा है। चीन की पीपुल्स आर्मी अक्सर वास्तविक नियंत्रण रेखा को पार कर भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ करती है। गलवान विवाद इसी का नतीजा था। अब तक कई हजार बार चीन एलएसी पार कर घुसपैठ कर चुका है। लेकिन हमारी सेना ने मुंहतोड़ जबाब दिया है। दोकलाम और पैगोंग में उसे मुँह की खानी पड़ी।

भारत नई दिल्ली में जी-20 समिट की मेजबानी करेगा। उस समिति में चीन भी आएगा। ऐसे हालत में दक्षिण अफ्रीका के ब्रिक्स से दिया गया शांति का संदेश दोनों देशों के लिए अहम है। एशिया में भारत और चीन दो महाशक्तियां हैं। दोनों देशों के मध्य अगर अमन-चैन रहता है तो इसका सकारात्मक परिणाम दोनों देशों के अर्थव्यवस्था और विकास पर पड़ेगा। इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय संबंधों पर सकारात्मक संदेश जाएगा। फिलहाल ब्रिक्स से दोनों देशों के मध्य शुरू हुई शांति प्रक्रिया का हमें स्वागत करना चाहिए।

सार-समाचार

आर्टकॉम के अभियान से जागा जन जन जागा प्रशासन - निशु पाण्डेय

भिलाई। भिलाई की एक मात्र संस्था जो समाज को जागरूक करने अलग अलग दिशाओं में कार्य करती हैं उसमें से एक कार्य है वृक्षारोपण अत: संस्था संचालक निशु पाण्डेय ने बताया कि आर्टकॉम के अभियान हर आँगन एक पेड़ ने 5 वर्ष पहले मात्र 21 पौधों अपनी स्कुटी में लेकर आये थे तब करमजीत सिंह ,बलदेव सिंह, शारदा गुप्ता , नीलकमल सोनी बॉबी देवोल ,संतोष यादव , उज्वल तुसिब के सहयोग से हमने हर रविवार वृक्षारोपण करना शुरू किया कुछ ही सप्ताह में हमारे सहयोगियों की संख्या बड़ने लगी और आज संस्था के पचास से अधिक सक्रिय कार्य कर्ता है साथ ही हमारे अभियान से प्रेरित होकर कई संस्थान वृक्षों के रोपण हेतु कार्य कर रही है। इसी कड़ी में आज वैशालीनगर विधानसभा के बाबा दीप सिंह नगर के परशुरामजी उद्यान में उपाध्याय ब्रदर्स अजय उपाध्याय ,संजय उपाध्याय ,राजू उपाध्याय के नेतृत्व में पौधों का रोपण किया गया इस समय बाबा दीप सिंह नगर के बुजुर्ग एवं युवा भीआर पी मिश्रा ,मुरारी तिवारी ,राकेश मिश्रा आर पी वासने , शुभम कदम , चावला जी ,कान्हा पाठक जोरावर सिंह उपस्थित थे। अजय उपाध्याय ने आर्टकॉम के अभियान हर आँगन एक पेड़ की तारीफ़करते हुये कहा कि आज वैशालीनगर विधानसभा की स्थिति पहले से बेहतर है और आज का वैशालीनगर हरा भरा दिखने लगा है। संस्था के मेहनती कार्य करता गुरनाम सिंह ने कहा कि इतने पौधों का रोपण करने के बाद भी उमस खत्म नहीं हो रही है जिसके कारण बच्चे बार बार बीमार हो रहे है अत: परिवार के हर सदस्य के नाम पर एक पौधा परिवार जनों द्वारा लगाया जाना चाहिये जिससे हर आँगन एक पेड़ अभियान को तीव्रता मिलेगी। इस अवसर पर संस्था आर्टकॉम के संरक्षक करमजीत सिंह , शारदा गुप्ता ,डॉ रमेश श्रीवास्तव ,संजय तिवारी, बंटी नाहर , , मदन सेन ,पारस जंघेल, गुरनाम सिंह ,विजय गुप्ता , अमिताभ भट्टाचार्य ,अरविंद पाण्डेय , श्रीनिवासन मिश्रा, लखविंदर सिंह,राकेश अग्रवाल, सुदेश , राजीव अग्रवाल , भास्कर तिवारी , व संस्था संचालक निशु कुमार पाण्डेय आदि उपस्थित थे।

श्रवण मरकाम का भाजपा मंडल मगरलोड के कार्यकर्ताओ द्वारा भव्य स्वागत

नगरी। सिहावा विधानसभा क्षेत्र क्र.56 से. पूर्व विधायक श्रवण मरकाम को भाजपा के अधिकृत प्रत्यासी बनाये जाने पर मगरलोड में प्रथम आगमन पर भाजपा मंडल मगरलोड के कार्यकर्ताओ द्वारा भव्य स्वागत किया गया। सर्वप्रथम मगरलोड में जयगुरु बाबा बैताल मंदिर और जय बूढादेव मंदिर में श्रवण मरकाम जी ने पूजा अर्चना की और वही उपस्थित मण्डल के ज्येष्ठश्रेष्ठ कार्यकर्ताओ ने श्रवण मरकाम जी का तिलक वंदन, पुष्पहार, आतिशबाजी व नारे लगाकर स्वागत किया। स्वागत में युवा मोर्चा द्वारा बाइक रैली निकाली गई मगरलोड मेन रोड बाजार से भाजपा कार्यलय तक स्थानीय लोगो से आगामी चुनाव में भाजपा से अधिकृत प्रत्याशी होने के नाते मुझे अपना बहुमूल्य वोट देने का निवेदन करते हुए सभी मण्डल व मोर्चो के कार्यकर्ताओ के साथ जनसंपर्क किया। जनसम्पर्क पश्चात भाजपा कार्यालय मगरलोड में पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं को चुनाव में अपनी पार्टी को विजय दिलाने का संकल्प करते हुए आगामी चुनावो के विषयों में रणनीति तैयार कर राज्य से ठगेश सरकार को जड़ से निकाल फेकने की चर्चा की गयीं। उक्त कार्यक्रम में भाजपा के जिला मंत्री, मण्डल प्रभारी राजेन्द्र गोलछा, मंडल के सहप्रभारी भीखम सेन,जिला उपाध्यक्ष नरेश सिन्हा,महामन्त्री द्वय रामायण सिन्हा,यवन साहू,भवानी यादव, शत्रुघ्न साहू,हिरंजय साहू,टीकम साहू,लोकेश साहू,मिलन नेताम, हेमंत साहू,जीवराखन साहू,खिलेश साहू, पार्षद नरेश अग्रवाल, बसंत साहू, टिकेश्वर साहू, घनश्याम साहू, मुरली सिन्हा,दिव्यन्द्र सिंह परिहार, पार्षद एवं नेता प्रतिपक्ष दुर्गा साहू, पार्षद झमित सिन्हा,नंदनी सिन्हा,कविता यादव, महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष उर्वशी साहू, महामंत्री भानुप्रिया साहू,राधा साहू,डुगेश्वरी साहू, हेमकुमारी चौहान,नीरादेवी साहू शांति देवांगन इतेश्वरी साहू,सरपंच गैंदा बाई साहू,मनोरमा साहू,युगल साहू,खूबचंद साहू सहित अधिक सख्या में पार्टी के ज्येष्ठ श्रेष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित हुए।

जीव जगत के अस्तित्व हैं पेड़-पौधे - सुनील रामदास

रायगढ़। कोड़ातराई के शासकीय उच्चत्तर माध्यमिक शाला के खेल मैदान में 26 अगस्त को रामदास द्रौपदी फाउंडेश द्वारा वृक्षारोपण किया गया। वृक्षारोपण से पूर्व विद्यालय परिवार द्वारा एक सभा का आयोजन किया गया था। जिसको भाजपा कार्यकर्ता व रामदास द्रौपदी फाउंडेशन के चेयरमैन सुनील रामदास ने संबोधित करते हुए कहा कि परमात्मा द्वारा पृथ्वी पर एक ऐसी व्यवस्था बनाई गयी है, जिसमें जीव जगत और वायुमण्डल को मिलाकर हमारा पर्यावरण बनता है। अर्थात् हमारे पर्यावरण के वायु में मिश्रित गैसों की उपस्थिति हो या जीव जगत की पूरी श्रृंखला सबको मिलाकर पर्यावरण का निर्माण होता है। इस पर्यावरण में सबसे महत्त्वपूर्ण अवयव पेड़-पौधे हैं। यही पेड़-पौधे मानवों के पारिस्थितिक तंत्र में उपस्थित सभी जीवों के लिए भोजन और ऑक्सीजन देते हैं। जिससे कि हमारी और अन्य सभी जीवों की हर प्रकार के आवश्यकताओं की पूर्ति होती है। इसलिए हम जिस पर्यावरण में रहते हैं, उस पर्यावरण में पेड़-पौधे उपस्थित जीव जगत के अस्तित्व हैं। यही कारण है कि हमने पर्यावरण के महत्त्वपूर्ण अवयव पेड़-पौधों से पृथ्वी को आच्छादित करने का अभियान चलाया है।

16 खेल विधाओं में होगी प्रतियोगिता, सभी आयु वर्ग के महिला पुरुष खेल प्रतियोगिता में उत्साह से ले रहे हैं भाग

तीन दिवसीय जिला स्तरीय छत्तीसगढ़िया ओपलंपिक का शुभारंभ स्टेडियम ग्राउण्ड में

खेल हमें स्वस्थ और स्मार्ट बनाता है... डॉ. प्रेमसाय

नन्दू यादव

सूरजपुर भारत भास्कर छत्तीसगढ़ शासन, खेल एवं युवा कल्याण विभाग रायपुर के निर्देशानुसार जिला स्तरीय छत्तीसगढ़िया ओलंपिक का आयोजन जिला प्रशासन द्वारा 27 से 29 अगस्त तक स्टेडियम ग्राउण्ड में किया जा रहा है। जिला स्तरीय छत्तीसगढ़िया ओलंपिक का शुभारंभ राज्य योजना आयोग के अध्यक्ष व प्रतापपुर विधायक डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम एवं सरगुजा विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष व प्रेमनगर विधायक खेलसाय सिंह के गरिमामयी उपस्थिति में किया गया। उन्होंने छत्तीसगढ़ महतारी की छाया चित्र की पूजा अर्चना, माल्यार्पण और राज गीत के साथ प्रतियोगिता का शुभारंभ किया।

मुख्य अतिथि डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने बताया कि खेल हमें स्वस्थ्य और स्मार्ट बनाता है। खेल से हम अनुशासित और एकजुटता होना सिखते है। इसलिए हमेषा किसी न किसी खेल में भाग अवश्य लेना चाहिए। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने हमारे पारम्परिक खेलों को बढ़ावा देने जो कार्य कर रही है। वह सराहनीय है। आज इस खेल के माध्यम से हर उम्र वर्ग के लोग बड़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। जिस प्रकार आप सबने ब्लॉक स्तर से जीत कर जिला स्तर पर आये है। यहां भी जीत दर्ज कर आप सब संभाग स्तर पर जीत दर्ज करते हुए राज्य स्तर पर भी जीत दर्ज करें ऐसी मेरी सभी खिलाड़ियों को शुभकामना है। जिला स्तरीय इस प्रतियोगिता में कुल 16 खेल विधायें सम्मिलित है। प्रथम दिवस में एकल गेम जैसे संखली, लंगडी दौड़, बांटी, बिल्लस, फुगडी, गेड़ी दौड़, भौंरा, 100 मीटर दौड़, लम्बी कूद एवं रस्सीकूद की प्रतियोगितायें होगीं। इसी प्रकार क्रमश: द्वितीय व तृतीय दिवस में गिल्ली डंडा, कबड्डी, खो-खो, पिट्ठुल, रस्साकस्सी एवं कुश्ती खेलों के बीच प्रतिस्पर्धा की जायेगी। यह प्रतियोगिता महिला एवं पुरूष दोनो वर्गो हेतु 0 से 18, 18 से 40 व 40 से अधिक आयु वर्ग हेतु आयोजित की जा रही है। छत्तीसगढ़िया ओलम्पिक का शुभारंभ सर्वप्रथम 497 राजीव युवा मितान क्लब स्तर पर, तत्पश्चात् जोन स्तर पर एवं विकासखण्ड, नगरीय क्लस्टर स्तर पर 18 से 21 अगस्त 2023 के मध्य आयोजित किया गया। इस आयोजन में लगभग 10,000 से भी अधिक महिला व पुरूष प्रतिभागियों ने भाग लिया। आज प्रथम दिवस पर सभी विकासखण्ड़ों, नगरीय क्लस्टर के विजेता खिलाड़ियों के मध्य जिला स्तरीय छत्तीसगढ़िया ओलम्पिक का शुभारंभ किया गया, इस आयोजन में लगभग 2500 से भी अधिक महिला व पुरूष प्रतिभागी सम्मिलित रहे। छत्तीसगढ़िया ओलंपिक के विकासखण्ड से लेकर राज्य स्तर तक के प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त विजेता खिलाड़ियों को छत्तीसगढ़ शासन द्वारा क्रमष: 2000, 1500 व 1000 रूपये प्रोत्साहन के रूप मे नगद पुरस्कार प्रदाय किया जायेगा। प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर जिला अध्यक्ष भगवती राजवाड़े, जिला पंचायत उपाध्यक्ष नरेश राजवाडे, जिला पंचायत सदस्य बिहारी कुलदीप, जगलाल सिंह देहाती जनपद अध्यक्ष, श्रीमती कुसुमलता राजवाडे पार्षद, विधायक प्रतिनिधि राजू सिंह, कलेक्टर संजय अग्रवाल, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुश्री लीना कोसम, सूरजपुर एस.डी.एम. रवि सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत विनोद सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी राम ललित पटेल, जिला खेल अधिकारी आरती सिंह, तहसीलदार सूरजपुर वर्षा बंसल सहित जिले के अधिकारी, कर्मचारी, जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत 4 अक्टूबर तक जागरूकता कार्यक्रमों का होगा अभियान

नन्दू यादव

सूरजपुर/ भारत भास्कर/ कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल के निर्देशन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत व जिला कार्यक्रम अधिकारी के मार्गदर्शन में भारत शासन की विशिष्ट योजनाओं में से एक बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ जिसका मुख्य उद्देश बालिकाओ के गिरते लिंगानुपात को बढ़ावा देना है, इस योजना के मुख्य घटकों में शामिल है। राष्ट्रव्यापी जागरूकता और प्रचार अभियान चलाना, जहां शिशु लिंग अनुपात कम है, उन क्षेत्रों से संबंधित कार्य करना, बुनियादी स्तर पर लोगों को प्रशिक्षण देकर संवेदनशील और जागरूक बनाकर तथा सामुदायिक एकजुटता के माध्यम से उनकी सोच को बदलने पर जोर दिया जाना है। वर्तमान में जिले का लिंगानुपात 1000 पुरुषो की तुलना में 916 है जो की राष्ट्रीय औसत से कम है। इस योजना के तहत बालिकाओ को आत्म निर्भर बनाने हेतु अन्य विभागों से समन्वय कर प्रस्ताव प्राप्त किया जा रहा है। इसके पश्चात जिला स्तर पर कार्यक्रम का आयोजन किया जाना प्रस्तावित है। इसी निर्देश के तहत जिले में 23 अगस्त से 4 अक्टूबर तक बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के कार्ययोजना अनुसार विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना प्रस्तावित है। जिसके तहत 25 अगस्त 2023 को जिले के 8 शालाओं क्रमश: शा.उ.मा.वि.बसदेई, डुमरिया, खोड़, बेदमी, अजबनगर, कल्याणपुर, माडर्न कान्वेंट स्कुल कल्याणपुर, श्री राधा गोविन्द पब्लिक स्कुल सिलफ्ली में बालिकाओं, बच्चों एवं महिलाओं से संबंधित कानूनों के संबंध में विस्तृत रूप से जानकारी दी गई साथ ही रैली का आयोजन भी किया गया। बच्चों को शासन की योजनाओं के विषय में विस्तृत रूप से बताया जा रहा है। जिससे बालिकाओं के प्रति सामाज में जागरूकता बढ़ाई जा सके। बच्चियों के मध्य जागरूकता लाने के उद्देश्य से प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शाला के अध्यापकगण एवं बड़ी संख्या में बच्चे शामिल रहे। कार्यक्रम का सफल आयोजन किए जाने में संरक्षण अधिकारी नवा बिहान, संरक्षण अधिकारी संस्थागत देख रेख, संरक्षण अधिकारी गैर संस्थागत देख रेख , सखी वन स्टॉप सेंटर से केस वर्कर, चाइल्ड लाइन की टीम, बाल संरक्षण की टीम एवं अन्य विभागीय कर्मचारियों की भागीदारी रही।

बिरनासिल्ली उच्च स्तरीय पुल का काम हुआ चालू - डॉ. लक्ष्मी ध्रुव

नगरी। बिरनासिल्ली पूल निर्माण कार्य लगभग आठ करोड बाईस लाख की राशि से कार्य संचालित किया गया था जिसे वन विभाग द्वारा टायगर रिजर्व का हवाला दे कर बंद कर दिया गया था जिसे सिहावा विधायक डॉ. लक्ष्मी ध्रुव के प्रयास से एक साल के अंदर वन जलवायु परिवर्तन विभाग से एनओसी लाकर कार्य प्रारंभ किया गया जिससे वनांचल वासियों ने विधायक के इस कार्य के लिये खुशी जताई उल्लेखनीय है की सिहावा विधान सभा क्षेत्र के एक बडा सा वन क्षेत्र उदन्ती सीतानदी टायगर रिजर्व के क्षेत्र मे आता है जहा लगभग 36 ग्राम बसा हुआ है जहा ग्रामीणों को आज सबसे बडी समस्या मूलभूत सुविधा की है जहा हर निर्माण कार्य मे वन विभाग केन्द्र शासन व एन टी सी ए पर्यावरण मंत्रालय का हवाला दे कर विकास कार्यों मे ब्रेक लगा देती है यही कारण है की यह क्षेत्र आज विकास के मामले मे काफी पिछे है क्षेत्र मे काग्रेस के विधायक डा लक्ष्मी ध्रुव ने बताया की विधायक बनते ही सबसे पहले प्राथमिकता वनांचल मे सुविधाओ के लेकर दिया गया जहा की काग्रेस की सरकार आम आदिवासी गरीब मजदूरों की सरकार है जहा हमारी सबसे पहले प्राथमिकता आम ग्रामीणों की सुविधाओ को लेकर है बिरनासिल्ली पूल को वन विभाग द्वारा स्टे लगा दिया गया जहा एन ओ सी मे चार वर्ष का समय लगता है मगर समस्या को देखते हुए हमने एक साल के भीतर ही एन ओ सी लाकर कार्य को फिर से प्रारंभ कर दिया वही रिसगांव क्षेत्र मे विकास के लिये सर्वे करवाने मुख्यमंत्री ने हमारी माग के आधार पर सर्वे कर रिसगांव वासियों को सडक पूल व अन्य सुविधा मिले करके कार्य प्रारंभ किये तो हमारे विपक्ष के कुछ नेताओ की राजनिति रोटी बंद होने लगी तब आम ग्रामीणों को गलत तरीके से भड़का कर गलत प्रचार करने लग गये मगर हम अपने कार्य से पिछे नही हटे वहा सडक पूल व अन्य विकास कार्य के लिये किसी प्रकार की कोई दिक्कत न हो करके एन ओ सी के लिये भेजे है जो जल्द ही मिल जायेगी उसके बाद रिसगांव क्षेत्र में विकास की कोई कमी नहीं होगी।

पूल बनने से ग्रामीणों को होगा लाभ- वही बिरनासिल्ली पूल के निर्माण होते ही लखनपुरी , भीषमपुरी , अमलीडीही , फरसगाव, मुहकोट , आमझर , जोगीबिरदो , ठोठाझरिया के ग्रामीण को आवागमन मे किसी प्रकार की कोई तकलीफ नही होगी व भरे बारिश मे ब्लाक मुख्यालय से इनका संपर्क भी नही टूटेगा।

अब टायगर रिजर्व क्षेत्र मे जागी आस वही ग्राम बिरनासिल्ली बालका नदी सीआरपीएफकैंप के पास लगभग आठ करोड बाईस लाख की लागत के पूल निर्माण से स्टे हटते व एन ओ सी मिलते ही टायगर रिजर्व के सोन्दूर नदी खल्लारी नदी व अन्य नदियो तथा सडक निर्माण को लेकर ग्रामीणो मे विधायक के इस पहल से उम्मीद जाग गई।

भारतीय सिंधु सभा द्वारा धूमधाम से मनाया गया सावन की मौज

राजनांदगांव। लालबाग सिंधु भवन राजनांदगांव में भारतीय सिंधु सभा महिला विंग के द्वारा सिंधी समाज की महिलाओं द्वारा एकता अथवा संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए सावन की मौज कार्यक्रम रखा गया कार्यक्रम के प्रारंभ में भगवान शिव की स्तुति की गई जिसमें समाज की वेशभूषा, व्यंजन ,भाषा एवं संस्कृति संबंधित बातों पर विशेष आयोजन किया गया कार्यक्रम में सिंधी साहित्य ,डांस, कविता ,मुहावरे एवं अन्य प्रतियोगिता रखी गई थी तथा विजेताओं को पुरस्कृत भी किया गया इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं बच्चों की उपस्थिति रही कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि .. श्रीमती मानसी गंगवानी मेंबर ऑफ़ रेड क्रॉस सोसाइटी. को आमंत्रित किया गया एवं हेमू कालानी नगर सिंधी पंचायत के अध्यक्ष श्री मन्नू मल मोटलानी व रिद्धि सिद्धि सिंधी समाज के अध्यक्ष श्री रमेश गंगवानी सहित अन्य पचजनों को बतौर अतिथि बुलाया गया जिन्होंने इस आयोजन की बेहद सरहाना की व समाज के प्रति संस्कृति, भाषा व सभ्यता हेतु जागरूकता को बेहद ही आवश्यक माना और समय के साथ ऐसे कार्यक्रम होना चाहिए इस बात पर भी जोर दिया घ कार्यक्रम में महिलाओं एवं बच्चों द्वारा लजीज व्यंजनों के स्टाल लगाए गए थे आयोजन में मुख्य रूप से समाजसेवी आवत राम तेजवानी शंकर ज्ञानचंदानी ,गुरमुख दास वध श्री अर्जुन दास एवं भारतीय सिंधु महिला सभा की अध्यक्ष पूजा मोटलानी ,उपाध्यक्ष दिशा बत्रा, कार्यकारिणी, रिया अंदानी नीता मोटलानी हेमा मखीजा बबीता आहूजा मीणा ठाकवाणी प्रिया रामचंदानी ,कविता, तारा उभरानी ज्योति उभरानी , शांति मोटलानी, भावना मोटलानी ,भाविका मोटवानी,नीलू मनकानी वंदना रूप चांदनी पूजा रूप चांदनी पायल लालवानी ,प्राची बजाज ,मंजू मोटलानी, तुलसी वाधवानी ,साधना दुल्हनी मनीषा छतवानी,उपस्थित रहे घ

अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर जिले में विविध आयोजन

प्रथम दिवस उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम

नन्दू यादव

सूरजपुर भारत भास्कर राज्य शासन एवं सचिवालय राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार सभी के लिए शिक्षा का केन्द्रित योजना उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम (एन.आई.पी.एल.) को राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन.आई.पी.एल.) 2020 के अनुरूप वर्ष 2022-23 के दौरान क्रियान्वयन के लिये भारत सरकार द्वारा दी गई स्वीकृति के तहत 1 से 7 सितम्बर तक साक्षरता सप्ताह एवं 8 सितम्बर 2023 को अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाया जायेगा।

कलेक्टर एवं अध्यक्ष (साक्षरता) तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत उपाध्यक्ष (साक्षरता) के मार्गदर्शन में राज्य से प्राप्त कार्ययोजना के अनुसार साक्षरता सप्ताह के प्रथम दिवस 1 से 8 सितम्बर तक विभिन्न गतिविधियां संचालित की जावेगी। इसके लिये जिले के जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग, मुख्य नगरपालिका अधिकारी, नगर पालिका एवं नगर पंचायत, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत, विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी विकासखण्ड स्त्रोत केन्द्र समन्वयक एवं सभी विकासखण्ड परियोजना अधिकारी, विकासखण्ड सूरजपुर भैयाथान, ओडगी, प्रेमनगर, प्रतापपुर, रामानुजनगर को कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु विशेष रणनीति तैयार करने के निर्देश दिये गये है ताकि सभी वर्गों में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित हो सके। इस संबंध में जिला परियोजना अधिकारी रोहित कुमार सोनी के द्वारा बताया गया कि राज्य से प्राप्त कार्ययोजना अनुसार कार्यक्रम के प्रथम दिवस में उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम पर केन्द्रित जागरूकता कार्यशाला सम्मेलन, सेमिनार, द्वितीय दिवस साक्षरता सांगोष्ठी, परिचर्चा, तृतीय दिवस शैक्षणिक संस्थाओं में साक्षरता कार्यक्रम, चतुर्थ दिवस नवभारत साक्षरता कार्यक्रम अंतर्गत महिला साक्षरता पर केन्द्रित कार्यक्रम, पांचवा दिवस महाविद्यालय व विद्यालयीन छात्र-छात्राओं के लिए भाषण, निबंध, पोस्टर नवभारत साक्षरता कार्यक्रम पर छठवें दिवस एन.आई.एल.पी. के शिक्षार्थियों का लेखन कार्यक्रम प्रत्येक शिक्षार्थियों हेतु चित्र देखो और लिखो कार्यक्रम का आयोजन सातवा दिवस उल्लास- नवभारत कार्यक्रम पर पंचायत कार्यक्रम पर पंचायत राज संस्थाओं को शामिल करके ग्राम पंचायतों में बैठक और आठवा दिवस शैक्षणिक संस्थाओं में साक्षरता रैली का आयोजन कराया जायेगा।

विधानसभा स्तरीय स्वीप नोडल अधिकारियों बैठक सम्पन्न

मतदाता जागरूकता के लिए विविध थीम पर करें कार्यक्रमों का आयोजन... कलेक्टर

नन्दू यादव

सूरजपुर भारत भास्कर/ आयोग के निर्देशानुसार कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संजय अग्रवाल कलेक्टर कार्यालय के सभा कक्ष में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा ध्येय वाक्य सुगम एवं समावेषी मतदान के दृष्टिगत मतदान प्रक्रिया को दिव्यांग मतदाताओं के अनुकूल बनाने के लिए समस्त उच्च शैक्षणिक संस्थानों में कैम्पस एम्बेसडर एवं प्रोफेसर नोडल अधिकारी, जिला स्तरीय कोर कमेटी तथा विधानसभा स्तरीय स्वीप नोडल अधिकारी की बैठक ली।

बैठक में उन्होंने अधिकारियों को निर्देष देते हुए कहा कि स्वीप कार्यक्रम के तहत जिले में मताधिकार के लिए लोगों को जागरूक करने तथा 1 अक्टूबर 2023 की स्थिति में 18 वर्ष व 18 वर्ष से अधिक उम्र के युवा मतदाताओं सहित अन्य पात्र लोगों को ज्यादा से ज्यादा मतदान के लिए आवेदन फॉर्म भरकर जमा करने के लिए प्रोत्साहित करें। इसके साथ जिले के ऐसे विद्यार्थी जो बाहर पढ़ने चले गये है और उनका नाम वहा पर नहीं है। ऐसे विद्यार्थियों का चिन्हाकंन कर फार्म 6 भरवा कर नाम जुडवाये। जिससे आगामी विधानसभा चुनाव के लिए जिले में शत प्रतिशत मतदान में लोग शामिल हो सके। उन्होंने बताया कि नये मतदाताओं वोट करने की बड़ी उत्सुकता होती है। ऐसे लोगो अधिक से अधिक प्रोत्साहित करें।

कलेक्टर ने जिले में स्वीप कार्यक्रम आयोजन करने के निर्देष दिये है। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए दिव्यांग नागरिकों, उभयलिंग मतदाताओं, 80 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्ग मतदाताओं, नवविवाहित वधुओं, महिला स्व सहायता समूह, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, मितानिन सहित अन्य सभी नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित कराए जाने के साथ ही मानव श्रृंखला तैयार कराए जाने के निर्देश दिए हैं। मानव श्रृंखला के लिए अलग-अलग थीम पर कार्यक्रम बनाने के निर्देश दिये। कार्यक्रम के दौरान शपथ, रंगोली, ईवीएम मशीन प्रदर्शन, नुक्कड़ नाटक, वॉल राइटिंग, स्लोगन, पोस्ट कार्ड लेखन, स्वीप के तहत पारम्परिक खेल प्रतियोगिता समस्त ग्राम पंचायतों में करने, नवरात्री के समय स्वीप गरबा सहित अन्य आने वाले तिथियों में योजना बनाकर विविध प्रकार के गतिविधियों का आयोजन कराते हुए नये मतदाताओं को वोटर हेल्पलाइन की जानकारी तथा एप्प डाउनडोल कराने के साथ ही उनका पोलिंग बूथ की जानकरी देने के निर्देश दिए हैं।

इस दौरान जिला उप निर्वाचन अधिकारी डॉ. प्रियंका वर्मा, एसडीएम रवि सिंह, श्रीमती दीपिका नेताम, सागर सिंह राज, बेनेदिक्ता तिर्की, अनिल कुमार पाण्डेय, रीता अग्रवाल, महादेव लहरे सहित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

इंसान के पहुंचने के पांच दशक बाद भी चांद का सफर बेहद मुश्किल

146 में से 60 चंद्र अभियान नाकाम

मेलबर्न, एजेंसी।

भारत ने 2019 में चंद्रमा पर एक अंतरिक्ष यान उतारने की कोशिश की, जो चांद की बंजर सतह पर मलबे की एक किलोमीटर लंबी लकीर में बदल कर रह गया। 2023 में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने चंद्रयान-3 के साथ इस नाकमायाबी की लकीर को कामयाबी की ऐसी लंबी लकीर में तब्दील कर दिया, जिसके बराबर कभी कोई दूसरी लकीर नहीं खींची जा सकेगी। भारत दुनिया का पहला देश है, जो पृथ्वी के चट्टानी पड़ोसी के दक्षिणी ध्रुव की सतह पर सही सलामत उतरने में कामयाब रहा। भारत की यह कामयाबी इसलिए भी बड़ी है, क्योंकि दुनिया के करीब आधे चंद्र अभियान

विफल रहे हैं। अब तक कुल 146 चंद्र अभियान लॉन्च हुए, जिनमें से 60 असफल रहे।

ऑस्ट्रेलिया के आरएमआईटी विश्वविद्यालय की डॉ. गेल आइल्स कहती हैं कि धरती को छोड़कर चंद्रमा एकमात्र खगोलीय पिंड है, जहां अब तक मनुष्य के पैर पड़े हैं। वहां सबसे पहले जाना समझ में भी आता है, क्योंकि यह करीब 4,00,000 किलोमीटर की दूरी पर स्थित हमारा सबसे निकटतम पिंड है। दिलचस्प बात यह है कि अभी दुनिया के सिर्फ चार देश ही चंद्रमा की सतह पर सॉफ्ट लैंडिंग कर पाए हैं। वहीं, इसका दक्षिणी ध्रुव अब भी रहस्यमयी है, जहां सिर्फ भारत ही पहुंच पाया है।

चंद्रमा पर 60 साल पहले सॉफ्ट लैंडिंग करने वाला पहला देश रूस भी हाल ही में लूना-25 को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतारने में कामयाब नहीं हुआ। इससे यह बात साफ हो जाती है कि चंद्र अभियान अब भी मुश्किल और खतरनाक है। यह सिक्के को हवा में उछालने जैसा है, जिसकी कौन सी सतह ऊपर आएगी कोई यकीन के साथ नहीं बता सकता। हाल के वर्षों में अमेरिका, जापान, संयुक्त अरब अमीरात, इस्राइल, रूस, यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी, लक्जमबर्ग, दक्षिण कोरिया और इटली के मिशन असफल रहे।

एक जोखिम भरा काम

60 साल और 58 चंद्र अभियानों का अनुभव रखने के बाद भी रूस का लूना-25 क्रैश हो गया है। बेहद उन्नत इस्राइल का बेरेशीट लैंडर भी 2019 में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इससे साफ है कि अंतरिक्ष अभियान एक जोखिम भरा काम है। खासतौर पर चंद्र अभियान, क्योंकि यहां सफलता की संभावना 50 फीसदी ही रहती है।

अभियान विफल होना सामान्य

आइल्स कहती हैं कि दुनिया में 1.5 अरब से ज्यादा कारें हैं और 40 हजार से ज्यादा विमान, जो हर रोज चलते हैं, फिर भी हादसों के शिकार होते हैं। जबकि, दुनिया में अब तक सिर्फ 20 हजार अंतरिक्ष अभियान हुए हैं, ऐसे में इनका विफल होना उतना ही सामान्य है, जितना किसी कार या विमान का दुर्घटनाग्रस्त होना। हम अंतरिक्ष अन्वेषण के क्षेत्र में अभी बहुत प्राथमिक दौर में हैं।

इमरान खान को जेल में जान का खतरा, पत्नी बुशरा बीबी ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल किया हलफनामा

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी ने आरोप लगाया है कि उनके पति को जेल में गंभीर खतरा है। पाकिस्तानी मीडिया के अनुसार, बुशरा बीबी ने 22 अगस्त को अटक जेल में इमरान खान से मुलाकात की और इस मुलाकात के बाद उन्होंने पाकिस्तान की सुप्रीम कोर्ट में एक हलफनामा दायर किया है।

इस हलफनामे में बुशरा बीबी के हवाले से लिखा गया है कि जब वह अटक जेल में इमरान खान से मिलने पहुंचीं तो उन्हें बेवजह इंतजार कराया गया और काफी मुश्किलों के बाद मिलने की अनुमति दी गई। हलफनामे में इमरान खान के हवाले से लिखा गया है कि वह पाकिस्तान में संविधान और कानून के शासन की लड़ाई के लिए कोई भी बलिदान देने के लिए तैयार हैं।

इमरान खान के वजन में आई गिरावट

हलफनामे के अनुसार, जेल में इमरान खान की सेहत में गिरावट आई है और इससे उनके जीवन को गंभीर खतरा हो सकता है। जेल में रहने के दौरान इमरान खान का वजन काफी कम हो गया है। हलफनामे के अनुसार, 70 साल से ज्यादा उम्र के व्यक्ति के सेहत में इस तरह की गिरावट गंभीर खतरा हो सकती है। हलफनामे में सुप्रीम कोर्ट से इमरान के बिगड़ते स्वास्थ्य और उनके जीवन के खतरे पर ध्यान देने की अपील की गई है।

तोशाखाना मामले में तीन साल की जेल की सजा काट रहे पीटीआई चीफ

बता दें कि बुशरा बीबी ने बीते हफ्ते पाकिस्तान की सरकार के सामने भी ऐसी चिंता जाहिर की थी। इमरान खान तोशाखाना मामले में तीन साल जेल की सजा काट रहे हैं। इमरान खान को पांच साल के लिए राजनीति से भी अयोग्य घोषित कर दिया गया है। तोशाखाना मामले में दोषी पाए जाने के बाद इमरान खान को उनके लाहौर स्थित आवास से गिरफ्तार किया गया था। इमरान खान पर एक लाख पाकिस्तानी रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है।

यूक्रेन ने रूस पर फिर किया ड्रोन हमला

मॉस्को। *रूस और यूक्रेन के बीच छिड़ा संघर्ष अभी रुकने का नाम नहीं ले रहा है। दोनों देश एक दूसरे पर लगातार हमले कर रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक शनिवार को मॉस्को पर एक ड्रोन हमले के कारण यहां के तीन प्रमुख हवाई अड्डों को अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा। एक रिपोर्ट के अनुसार, शेरेमेटेवो, डोमोडेडोवो और वनुकोवो हवाई अड्डों ने शनिवार को सभी उड़ानें निलंबित कर दीं। एक हफ्ते में तीसरी बार है जब रूसी राजधानी पर ड्रोन हमलों के परिणामस्वरूप मॉस्को ने प्रमुख हवाई अड्डों को बंद कर दिया। वहीं, रूसी अधिकारियों ने राजधानी और आसपास के क्षेत्र पर हमलों की घटना के लिए यूक्रेन को दोषी ठहराया है, लेकिन यूक्रेनी अधिकारियों ने अभी तक पुष्टि नहीं की है। यूक्रेनी ड्रोन हमलों से पहले भी मॉस्को क्षेत्र के सभी प्रमुख हवाई अड्डों को बंद करना पड़ा, जिससे दर्जनों उड़ानें बाधित हुईं। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इस हमले में किसी के हताहत होने या क्षति की कोई खबर नहीं है।*

वैगनर लड़ाकों ने पुतिन को दी धमकी

मॉस्को, एजेंसी। *इससे पहले, रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने विमान हादसे के एक दिन बाद गुरुवार को अपनी चुप्पी तोड़ी। पुतिन ने प्रिगोझिन की मौत के पीछे सरकार का हाथ होने से इनकार किया था। उन्होंने विमान हादसे में मारे गए वैगनर समूह की निजी सेना के जवानों के प्रति संवेदना व्यक्त की थी। पुतिन ने एक टीवी साक्षात्कार के दौरान विमान दुर्घटना पर दुख जताया। इस दौरान राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि वैगनर समूह के प्रमुख प्रिगोझिन एक प्रतिभाशाली व्यक्ति थे, लेकिन उन्होंने जीवन में गंभीर गलतियां की थीं। पुतिन ने स्पष्ट किया कि उनकी मौत में सरकार का कोई हाथ नहीं है।*

मेडागास्कर में आईओआईजी गेम्स के उद्घाटन समारोह में भगदड़, 12 लोगों की मौत

अंटानानारिवो, एजेंसी।

अफ्रीकी देश मेडागास्कर में बड़ा हादसा हो गया। दरअसल, मडगास्कर में आयोजित हिंद महासागर द्वीप खेलों (IOIG) के उद्घाटन समारोह में भगदड़ मच गई, जिसमें 12 लोगों की मौत हो गई। स्थानीय पुलिस का कहना है कि हादसे में 80 लोग घायल है, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है। हादसे पर राष्ट्रपति ने शोक व्यक्त किया है और जनता से मौन का आह्वान किया है।

विदेशी मीडिया के अनुसार, मेडागास्कर के बैरिया स्टेडियम में शुक्रवार को हिंद महासागर द्वीप खेलों का उद्घाटन समारोह आयोजित की गई थी। कार्यक्रम में करीब 50 हजार

दर्शक आए थे। इस दौरान स्टेडियम के प्रवेश द्वार पर भगदड़ मच गई। भगदड़ में 12 लोगों की मौत हो गई। मेडागास्कर के प्रधानमंत्री किश्चियन नत्से अस्पताल पहुंचे। इस दौरान उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि भगदड़ में करीब 80 लोग घायल हैं, जिनमें से 11 लोग अधिक गंभीर हैं।

राष्ट्रपति ने घटना पर जताया दुख

मेडागास्कर के राष्ट्रपति एंड्री राजोएलिना ने मृतकों के प्रति दुख व्यक्त किया है। राष्ट्रपति ने घटना को दुर्भाग्यपूर्व बताया है। उन्होंने बताया कि स्टेडिम के प्रवेश द्वार पर भगदड़ मच गई। कई लोग घायल है। राष्ट्रपति ने संवेदनाएं व्यक्त करते हुए मौन रखने का आह्वान किया है।

असल कारण अबतक स्पष्ट नहीं

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, स्टेडियम में भगदड़ का असल कारण क्या है, यह अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है। हालांकि, राष्ट्रपति द्वारा मौन के आह्वान के बाद लेजर शो और आतिशबाजी के साथ समारोह जारी रहा। हिंद महासागर द्वीप खेल तीन सितंबर तक मेडागास्कर में आयोजित किया जाएगा। इवेंट में मॉरीशस, सेशेल्स, कोमोरोस, मेडागास्कर, मैयट, रीयूनियन और मालदीव के एथलीट शामिल हैं।

डोनाल्ड ट्रंप के साथ अमेरिका के अगले उपराष्ट्रपति बन सकते हैं विवेक रामास्वामी

वॉशिंगटन, एजेंसी।

अमेरिका में अगले साल होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से भारतीय मूल के विवेक रामास्वामी भी दावा पेश कर रहे हैं। खास बात ये है कि विवेक रामास्वामी की लोकप्रियता भी लगातार बढ़ रही है। अब विवेक रामास्वामी ने संकेत दिए हैं कि वह अगले साल होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप के डिप्टी के रूप में उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बन सकते हैं। हालांकि पहले विवेक रामास्वामी ने राष्ट्रपति पद के अलावा कोई अन्य पद स्वीकार करने से इनकार कर दिया था। हालांकि अब उन्होंने इसके लिए तैयार होने के संकेत दिए हैं।

विवेक रामास्वामी ने दिए संकेत

दरअसल एक इंटरव्यू के दौरान विवेक रामास्वामी ने कहा कि वह बतौर राष्ट्रपति ही देश को एकजुट कर सकते हैं। हालांकि उन्होंने ट्रंप के सहयोगी के रूप में उपराष्ट्रपति चुनाव लड़ने से भी इनकार नहीं किया। दरअसल जब इस बारे में रामास्वामी से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि यह मेरे बारे में नहीं है, अगर यह मेरे बारे में है तो मेरी उम्र के व्यक्ति के लिए यह पद भी शानदार होगा। यह हमारे देश को फिर से रिवाइव करने के बारे में है और मैं ये तभी कर सकता हूं, जब मुझे इसे व्हाइट हाउस से बतौर शीर्ष नेता करने का मौका मिले।

ट्रंप की टीम ने भी की तारीफ

ट्रंप के साथ रामास्वामी के संयुक्त टिकट पर चुनाव मैदान में उतरने की चर्चा इसलिए भी हो रही है क्योंकि ट्रंप की चुनाव प्रचार टीम ने भी रिपब्लिकन पार्टी की बीते बुधवार को हुई पहली डिबेट के बाद रामास्वामी की तारीफ की है। इस डिबेट के बाद रामास्वामी की लोकप्रियता में उछाल आया है और उन्हें मिलने वाले चंदे में भी बढ़ोतरी हुई है। हालांकि पहले रामास्वामी ने राष्ट्रपति पद के अलावा कोई अन्य पद लेने से मना कर दिया था और कहा था कि वह सिर्फ बतौर राष्ट्रपति ही इस देश को बदल सकते हैं।

अमेरिका के दूसरे सबसे युवा उपराष्ट्रपति बन सकते हैं

बता दें कि अगर विवेक रामास्वामी ट्रंप के साथ संयुक्त टिकट पर अमेरिका के उपराष्ट्रपति चुने जाते हैं तो वह इस पद पर पहुंचने वाले दूसरे सबसे युवा नेता होंगे। इससे पहले साल 1857-1861 के दौरान जॉन बुचनन की सरकार में जॉन ब्रेकिनरिज सिर्फ 36 साल की उम्र में अमेरिका के उपराष्ट्रपति रहे थे। विवेक रामास्वामी अभी 38 साल के हैं।

ब्रिटिश संग्रहालय के निदेशक ने दिया इस्तीफा अपनी देखरेख में कलाकृतियों की चोरी से आहत

लंदन, एजेंसी।

लंदन के प्रमुख पर्यटक आकर्षणों में से एक ब्रिटिश संग्रहालय के निदेशक ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है, जबकि शनिवार को यह बात सामने आई कि चुराई गई 2,000 कलाकृतियों में से कुछ बरामद कर ली गई हैं। बता दें कि ब्रिटिश संग्रहालय में हजारों बहुमूल्य कलाकृतियां प्रदर्शित हैं, इनमें से कुछ भारत की हैं। हार्टविग फिशर ने शुक्रवार को अपने इस्तीफे की घोषणा करते हुए कहा कि अब यह स्पष्ट हो गया है कि संग्रहालय ने आशंकित चोरी के बारे में चेतावनियों का ÷व्यापक÷ रूप से जवाब नहीं दिया और इसकी जिम्मेदारी अंततः उन्हीं की है।

संग्रहालय के न्यासी बोर्ड के अध्यक्ष जॉर्ज ओसबोर्न ने शनिवार को मीडिया को बताया कि हमने पहले ही चोरी की गई कुछ वस्तुओं को फिर से प्राप्त करना शुरू कर दिया है। ओसबोर्न ने कहा, हमारा मानना है कि हम लंबे समय से चोरी का शिकार होते रहे हैं और स्पष्ट रूप से उन्हें रोकने के लिए और भी बहुत कुछ किया जा सकता है। फिशर का इस्तीफा उस घटना के एक सप्ताह से अधिक समय बाद सामने आया है, जिसमें संग्रहालय के एक भंडार कक्ष से कई खजाने चोरी हो जाने के बाद संग्रहालय के एक कर्मचारी को कानूनी कार्रवाई लंबित रहने तक निलंबित कर दिया गया था। फिशर ने कहा, पिछले कुछ दिनों से मैं ब्रिटिश संग्रहालय से चोरी की घटनाओं और उनकी जांच की विस्तार से समीक्षा कर रहा था। उन्होंने कहा, यह स्पष्ट है कि ब्रिटिश संग्रहालय ने 2021 में चेतावनियों और अब पूरी तरह से सामने आई समस्या के जवाब में उतनी व्यापक प्रतिक्रिया नहीं दी जितनी उसे देनी चाहिए थी। उस विफलता की जिम्मेदारी अंततः निर्देशक की होनी चाहिए। निवर्तमान निदेशक एक जर्मन कला इतिहासकार हैं, उन्होंने कहा कि संग्रहालय के सामने जो स्थिति है वह अत्यंत गंभीरहै, लेकिन वह इससे और भी मजबूती से निपटेंगे। उन्होंने कहा, लेकिन दुख की बात है कि मैं इस नतीजे पर पहुंचा हूं कि मेरी मौजूदगी ध्यान भटकाने वाली साबित हो रही है। पिछले सात वर्षों में मुझे कुछ सबसे प्रतिभाशाली और समर्पित लोक सेवकों के साथ काम करने का सौभाग्य मिला है। ब्रिटिश संग्रहालय एक अद्भुत संस्थान है और इसका नेतृत्व करना मेरे लिए गर्व की बात है।

मॉन्स्टर को खोजने के लिए सैकड़ों लोग हुए एकत्र, शिकार अभियान में ड्रोन

लंदन। ब्रिटेन में लोच नेस मॉन्स्टर को खोजने के लिए सैकड़ों लोग इकट्ठा हुए। पांच दशकों में लोच नेस मॉन्स्टर की सबसे बड़ी खोज शनिवार को स्कॉटिश हाइलैंड्स में शुरू हुई। जहां दुनिया भर के शोधकर्ता और उत्साही लोग मायावी नेस्सी को खोजने की कोशिश करने के लिए एकत्र हुए हैं। अभियान में थर्मल स्कैनर वाले ड्रोन, इंफ्रारेड कैमरे वाली नावें और एक पानी के नीचे हाइड्रोफोन तैनात किया जाएगा ताकि उस रहस्य को जानने की कोशिश की जा सके जिसने दुनिया को पीढ़ियों से मोहित कर रखा है। लोच नेस एक्सप्लोरेशन के सह-आयोजक एलन मैककेना ने कहा, सभी प्रकार के प्राकृतिक व्यवहार और घटनाओं को रिकॉर्ड करना, अध्ययन करना और उनका विश्लेषण करना हमेशा से हमारा लक्ष्य रहा है। इन्हें समझाना अधिक चुनौतीपूर्ण हो सकता है। खोजकर्ताओं का मानना है कि थर्मल स्कैनर धुंधली गहराइयों में किसी भी अजीब विसंगति की पहचान करने में महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं। हाइड्रोफोन खोजकर्ताओं को पानी के नीचे नेस्सी जैसी असामान्य आवाज को सुनने में मदद करेगा। जहां नेस्सी की खोज की जा रही है वह 23 मील (36 किलोमीटर) तक फैली और 788 फीट (240 मीटर) की अधिकतम गहराई वाली मीठे पानी की झील है, जो आयतन के हिसाब से ब्रिटेन की सबसे बड़ी झील है। लोच नेस में एक जलीय राक्षस के छिपे होने की खबरें प्राचीन काल से चली आ रही हैं। इस क्षेत्र में पत्थर की नक्काशी में एक रहस्यमय जानवर को फ्लिपर्स (मछली के पंख) के साथ दर्शाया गया है। इस प्राणी का सबसे पहला लिखित रिकॉर्ड आयरिश संत सेंट कोलंबा की जीवनी में 565 ईसवी का है। लेख के अनुसार, राक्षस ने एक तैराक पर हमला किया और वह फिर से हमला करने वाला था, तभी कोलंबा ने उसे पीछे हटने का आदेश दिया।

बिखर रहा चीनी अर्थव्यवस्था का 40 साल पुराना मॉडल

नई दिल्ली, एजेंसी।

चीन की अर्थव्यवस्था अब गहरे संकट में है। यहां के सबसे बड़े संपत्ति डेवलपरों में से एक कंट्री गार्डेन ने इस साल की पहली छमाही में अपना 7.6 अरब डॉलर का नुकसान होने का अंदेशा जताया है। इससे पहले अमेरिकी अखबार वॉल स्ट्रीट जर्नल ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा था कि विश्व की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का 40 साल से जारी विकास का सफल मॉडल अब बिखर गया है। इस बीच हमें जानना जरूरी है कि चीनी अर्थव्यवस्था को लेकर क्या रिपोर्ट्स आई है? इसमें क्या कहा गया है? चीन के किन क्षेत्रों में गिरावट आई है? अर्थतंत्र में ढील की वजह क्या है? चीनी अर्थव्यवस्था का भविष्य क्या है?

ताजा रिपोर्ट्स देश के एक ब? डेवलपर कंट्री गार्डेन से जु?ी है जो करीब तीन लाख लोगों को रोजगार देता है। कंट्री गार्डेन ने कहा है कि इस साल की पहली छमाही में उसे 7.6 अरब डॉलर का नुकसान हो सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स में इसका दावा किया गया है। कंट्री गार्डेन ने हांगकांग स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में निवेशकों को चेतावनी दी कि जून तक छह महीनों में 45 बिलियन से

55 बिलियन चीनी युआन (लगभग 6.2 बिलियन अमरीकी डालर से 7.6 बिलियन अमरीकी डॉलर) का नुकसान की आशंका है।

पिछले साल की इसी अवधि में कंपनी को लगभग 1.9 बिलियन युआन (264 मिलियन अमरीकी डॉलर) का लाभ हुआ था। इस खुलासे ने कंट्री गार्डेन के वित्तीय संकट को उजागर किया है, जो चीन में सालाना सैकड़ों हजारों घर तैयार करने वाला एक बड़ा बिल्डर है। कंपनी के बाद एक बड़ा कर्ज है जिसकी तुलना दुनिया के सबसे ऋणग्रस्त संपत्ति समूह एवरग्रांडे से की जा रही है। कंपनी हाल के हफ्तों में चीन की आर्थिक परेशानियों का एक और संकेत देती है, क्योंकि यह डिफॉल्ट होने के कगार पर है।

इससे पहले, वॉल स्ट्रीट जर्नल ने रविवार को अपनी एक रिपोर्ट में लिखा था कि चीन ऐसे समय में प्रवेश कर रहा है जहां उसकी आर्थिक गति बहुत धीमी होगी। अर्थशास्त्रियों का मानना है कि देश अपने विदेशी निवेश और व्यापार को खतरे में डाल रहा है। यह आर्थिक कमजोरी छोटी अवधि की बजाय लंबे समय तक जारी रह सकती है। रिपोर्ट के अनुसार अब चीन के आर्थिक विकास का मॉडल टूट गया है।

बैंक फॉर इंटरनेशनल सेटलमेंट्स के आंकड़ें बताते हैं कि सरकार और राज्य के स्वामित्व वाली कंपनियों के विभिन्न स्तरों सहित कुल ऋण 2022 तक चीन के सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 300 प्रतिशत तक पहुंच गया। यह ऋण अमेरिकी स्तर को भी पार कर गया जो 2012 में 200 प्रतिशत से कम था।

देश के राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो (एनबीएस) ने जून में कहा था कि 2023 की पहली छमाही (एच1) में चीन के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में सालाना आधार पर 5.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। एनबीएस के अनुसार, पहली छमाही में चीन की जीडीपी 59.3 ट्रिलियन युआन (लगभग 8.3 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर) तक पहुंच गई। चीन की आधिकारिक मीडिया ने एनबीएस के हवाले से कहा कि दूसरी तिमाही में देश की जीडीपी सालाना आधार पर 6.3 प्रतिशत बढ़ी।

ब्रिटेन में भारतीय मूल के व्यक्ति को हुई जेल प्रतिबंधित ड्रग्स की तस्करी का आरोप

लंदन, एजेंसी।

ब्रिटेन की राष्ट्रीय अपराध एजेंसी (एनसीए) के नेतृत्व में एक जांच के बाद ब्रिटेन में प्रतिबंधित ड्रग्स की तस्करी की साजिश का दोषी पाए जाने पर भारतीय मूल के एक व्यक्ति और उसके साथी को 12-12 साल कैद की सजा सुनाई गई। 37 वर्षीय संदीप सिंह राय और 43 वर्षीय बिली हेयरे एक संगठित अपराध समूह (ओसीजी) से संबंधित है। दोनों को मेक्सिको से एक कार्गो विमान के जरिये ब्रिटेन में 30 किलो कोकीन और 30 किलो एम्फैटेमिन की तस्करी के लिए जिम्मेदार ठहराया गया। दोनों ने शुरुआत में ए-क्लास की प्रतिबंधित ड्रग्स की आपूर्ति की साजिश के

आरोपों से इनकार किया था, लेकिन इस साल की शुरुआत में वॉल्वरहैम्प्टन क्राउन कोर्ट में मुकदमा शुरू होने से ठीक पहले उन्होंने अपनी दलीलों में खुद को दोषी मान लिया। इसके बाद शुक्रवार को उसी अदालत में उन्हें अपराधों के लिए सजा सुनाई गई। एनसीए ऑपरेशंस मैनेजर क्रिस डुप्लॉक ने कहा, राय और हेयरे मेक्सिको से ब्रिटेन में ए-क्लास के ड्रग्स की तस्करी करने के एक जटिल प्रयास के पीछे शामिल थे।

उन्होंने कहा, मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि अगर हमने उन्हें नहीं रोका होता, तो वे और अधिक ड्रग्स लाने के लिए बार-बार इस मार्ग का उपयोग करते। देश और विदेश में साझेदारों के साथ काम करते हुए हम क्लास-ए ड्रग्स की आपूर्ति को बाधित करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे, क्योंकि यह ब्रिटेन के समुदायों में सामूहिक हिंसा और वास्तविक पीड़ा से जुड़े हुए हैं। एनसीए के जांचकर्ता राय और हेयरे की तस्करी की योजनाओं पर नजर रख रहे थे और सीमा बल के साझेदारों को खुफिया जानकारी मुहैया करा रहे थे। सीमा बल को पिछले साल मई में हीथ्रो हवाई अड्डे पर एक फ्लाइट के लैंड करने के बाद ड्रग्स मिली थी।

पुलिस जबरन समझौता करा रही है, ईसाई समुदाय ने लगाई उच्च न्यायालय में गुहार

इस्लामाबाद, एजेंसी।

पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के साथ कैसा सलूक किया जाता है, यह किसी को बताने की जरूरत नहीं है।हाल ही में पाकिस्तान के फैसलाबाद में कुरान के कथित अपमान के बाद ईसाई समुदाय को जमकर निशाना बनाया गया।जिसके बाद पाकिस्तान की पूरी दुनिया में किरकिरी हुई।हालांकि, इसके बाद भी पडोसी मुल्क की सेहत पर कोई फर्क पड़ता नहीं दिख रहा है।

दरअसल, अब पाकिस्तान में

ईसाई समुदाय ने जरनवाला हिंसा मामले में समझौता करने के लिए पुलिस अधिकारियों पर दबाव डालने का आरोप लगाया है।द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, ईसाई समुदाय ने जरनवाला हिंसा मामले में लाहौर हाई कोर्ट (एलएचसी) का रुख किया है।इसके साथ ही अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों का कहना है कि घटना की निष्पक्ष जांच के लिए एक न्यायिक जांच समिति का गठन किया जाए।

समझौते के लिए मिल रहीं धमकियां

रिपोर्ट के अनुसार, ग्रेस बाइबल फेलोशिप चर्च पाकिस्तान के अध्यक्ष ने समुदाय के लोगों को इस मामले में लगातार मिल रही धमकियों की जानकारी दी हैं ।ऐसे में उन्होंने वकील शाहबाज फजल सरोया के माध्यम से याचिका दायर कर अदालत को अवगत कराया है ।रिपोर्ट के अनुसार, याचिकाकर्ता ने सीसीटीवी फुटेज के साथ-साथ अन्य प्रासंगिक सबूतों के माध्यम से पहचाने गए सभी आरोपियों के लिए उचित सजा बरकरार रखने का आह्वान किया है।

अमेरिका भी लगा चुका है फटकार

इसके साथ ही याचिका में अदालत से अनुरोध किया गया कि वह राज्य के अधिकारियों को जरनवाला घटना के पीड़ितों को तुरंत वित्तीय और प्रशासनिक संसाधन उपलब्ध कराने का निर्देश दे, ताकि भीड़ की हिंसा के बाद उन्हें नियमित जीवन में लौटने में मदद मिल सके ।गौरतलब है कि अमेरिका ने भी पाकिस्तान की इस घटना पर दुख जताते हुए कहा कि यह बहुत चिंताजनक है कि पाकिस्तान में कुरान के अपमान के जवाब में चर्चों और ईसाई समुदाय के घरों को निशाना बनाया गया।

सार-समाचार

ट्रक ड्राइवरों को सही गुणवत्ता वाला इंजन ऑयल चुनने में Mobil™ मदद करता है

रायपुर। Mobil™ ने आज अपना नया अभियान - ट्रकिंग इज हार्ड; चूजिंग इंजन ऑयल शूडन्ट बी, लॉन्च किया, जिसका उद्देश्य ट्रक ड्राइवरों को अपने ट्रक के लिए सही गुणवत्ता वाले इंजन ऑयल चुनने में मदद करना है। अपने ट्रक की जरूरतों एवं उसकी उम्र के आधार पर खरीदारी करने का निर्णय लेने में ट्रक ड्राइवरों को पहले स्थान पर रख कर Mobil उनकी मदद कर रहा है। Mobil ने इस अभियान के हिस्से के रूप में अपने उत्पादों का नाम बदलने के बाद उत्पाद के लेबल को बहुत सरल बनाया है, आइकन का उपयोग किया है, एवं दावा की भाषा को आसान किया है। अपने व्यवसाय को जवाबदेह और सतत तरीके से संचालित करने के लिए प्रतिबद्ध Mobil ने हाल ही में इंजन ऑयल के लिए अपने 50% पोस्ट-कंज्यूमर रिसाइकिल्ड (PCR) प्लास्टिक पेल के साथ टिकाऊ पैकेजिंग को प्रोत्साहित करने की एक पहल को शुरू किया है। भारत में यह पहली बार है और Mobil Delvac™ के उत्पाद पेल पैक के लिए PCR का उपयोग करने में पहले हैं।

एएससीआई अकैडमी का गठन, कई हितधारक एकजुट हुए

रायपुर। ऐड्वर्टाइज़िंग स्टैंडर्ड्स कौंसिल ऑफ़ इंडिया (एएससीआई) द्वारा एएससीआई अकैडमी का उदघाटन किया गया है। एएससीआई के इस पथ-प्रदर्शक पहल का लाभ विज्ञापन उद्योग को मिलेगा और अधिक जवाबदेह तथा प्रगतिशीलविचारों वाले विज्ञापन बन सकेंगे। वर्तमान में एएससीआई की जो भूमिका है वह विज्ञापन के प्रकाशन के बाद शुरू होती है। इस अकैडमी से प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद विज्ञापन बनाने वाले इन तथ्यों पर शुरू से ही नजर रखेंगे। आज के डिजिटल परिदृश्य में छोटे विज्ञापनों का चलन और विज्ञापन देने वालों की संख्या काफी बढ़ रही है। ऐसी स्थिति में एएससीआई अकैडमी इन्फ्लुएंसर और स्टूडेंट्स सहित वर्तमान और भावी इंडस्ट्री प्रोफेशनल्स को विज्ञापन सम्बन्धी नियमों की बुनियादी समझ से परिपक्व बनाएगा, ताकि वे आरम्भ से ही नीतिपरक कार्यप्रणाली सुनिश्चित कर सकें। एएससीआई अकैडमी का मूलभूत उद्देश्य विज्ञापन कार्य में जिम्मेदारी कायम रखने के प्रति समर्पित ऐड्वर्टाइज़िंग प्रोफेशनल्स का समूह तैयार करना है, जिससे कि अंततः ब्रैंड्स में उपभोक्ताओं का भरोसा बना रहे। यह अकैडमी एएससीआई के विशाल थॉट लीडरशिप और शैक्षणिक प्रोग्राम्स को रणनीतिक रूप से समेकित करेगी। अकैडमी के पाठ्यक्रम का विस्तार ऑनलाइन से लेकर, व्यक्तिगत, और हाइब्रिड फॉर्मेट्स तक विविध ज़रूरतों को पूरा करेगा। ई-लर्निंग मॉड्युल्स से लेकर विभिन्न विषयों पर सामयिक वेबिनार तक, विनियामकीय बारीकियों पर गहरे विश्लेषण वाले मास्टरक्लासों से लेकर संकाय विकास कार्यक्रम के माध्यम से अध्यापन कौशल में सुधार तक, यह अकैडमी सभी चीजों को कवर करेगी। इसके अलावा, इन्फ्लुएंसर प्रमाणन प्रोग्राम्स के माध्यम से विज्ञापनों का अनुमोदन करने के मामले में जवाबदेही की भावना सुनिश्चित होगी, जबकि उपभोक्ता शिक्षण पहलों से सूचित फैसलों को बढ़ावा मिलेगा। सतत प्रशिक्षण और अनुसंधान के प्रयासों के माध्यम से एएससीआई अकैडमी आत्म-नियंत्रण में बाधक पहलुओं पर हितधारकों को सहभागी बनाने के लिए अपनी वचनबद्धता का सख्त पालन करती रहेगी। एएससीआई अकैडमी विज्ञापन की उत्तरदायी पद्धतियों में साझा विश्वास के द्वारा जुड़े हितधारकों को एकजुट करेगी। इस अकैडमी में 50 से अधिक संस्थापक साझीदार हैं, जिनमें सिप्ला हेल्थ लिमिटेड, कोका-कोला इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, कोलगेट-पामोलिव (इंडिया) लिमिटेड, डिएजियो इंडिया, हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड, मोंडेलीज़ इंडिया फूड्स प्राइवेट लिमिटेड, नेस्ले इंडिया लिमिटेड, पेप्सीको इंडिया होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड, प्रॉक्टर ऐंड गैम्बल होम प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, अनेक प्रमुख विश्वविद्यालय और महाविद्यालय, प्रतिष्ठित सिविल सोसाइटी संगठन जैसे की मुंबई ग्राहक पंचायत, कंज्यूमर वॉइस, सीयुटीएस, सीएमएस और अन्य उद्योग संगठन जैसे कि आईएसए, एएएआई, आईएए और आईएसडब्लूएआई और अनुसंधान परिज्ञान संगठन सम्मिलित हैं।

भिलाई, छत्तीसगढ़ में सैमसंग इन्नोवेशन कैम्पस' के पहले बैच के छात्रों ने कोडिंग एवं प्रोग्रामिंग में सर्टिफिकेट्स और आईओटी में किया स्नातक

भिलाई। सैमसंग इंडिया के प्रमुख सीएसआर कार्यक्रम सैमसंग इन्नोवेशन कैम्पस ने भिलाई में 92 छात्रों के अपने पहले बैच के लिए कोडिंग एवं प्रोग्रामिंग और आईओटी पाठ्यक्रमों को पूरा किया। यह कार्यक्रम भारत का मजबूत भागीदार बनने और सरकार के देश के युवाओं को सशक्त बनाने और #PoweringDigitalIndia मिशन में सैमसंग के सहयोग करने की प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है। छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय, भिलाई में मार्गदर्शन और प्रशिक्षण हासिल करने वाले छात्रों ने 23-25 अगस्त, 2023 के बीच शासकीय पॉलिटेक्निक बेरला बोरिया, छत्तीसगढ़ में आयोजित हैकाथन में भाग लिया। हैकाथन के सफल समापन पर, छत्रपति शिवाजी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (सीएसआईटी) दुर्ग, छत्तीसगढ़ में आयोजित सम्मान समारोह में छात्रों को पाठ्यक्रम पूरा करने का प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। छात्रों को सैमसंग और इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर्स स्किल्स काउंसिल ऑफ इंडिया के अधिकारियों ने सम्मानित किया, जो अपने स्वीकृत प्रशिक्षण और शिक्षण भागीदारों के राष्ट्रव्यापी नेटवर्क के माध्यम से कार्यक्रम को संचालित कर रहे हैं। संस्थान के छात्रों के पहले बैच को कोडिंग एवं प्रोग्रामिंग और आईओटी जैसे भविष्य के तकनीकी पाठ्यक्रमों में प्रमाणित किया गया, जो युवाओं को सक्षम तकनीकी पेशेवरों में बदलने में कार्यक्रम की प्रभावशीलता को दर्शाता है। ये पाठ्यक्रम छात्रों को रोजगार के लिए तैयार होने में मदद करते हैं। कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, 92 छात्रों के बैच ने, जिनमें से 43 को कोडिंग एवं प्रोग्रामिंग में और 49 को आईओटी में प्रशिक्षित किया गया है।

माता पिता की जागरूकता एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के अथक प्रयास से सुपोषित हुआ तहजीब

सेहतमंद बनकर '' तहजीब '' ने मात दी कुपोषण को

दंतेवाड़ा (भारत भास्कर)। किसी भी शिशु के जीवन के प्रारम्भिक वर्ष उसके शारीरिक विकास के लिए महत्वपूर्ण होते है। जहां उन्हें विशेष देखभाल एवं खान पान की दरकार होती है यूं तो हर माता पिता अपनी क्षमतानुसार अपने शिशु की समुचित देखभाल सुनिश्चित करते है परन्तु चुनौती वहां आती है जब शिशु का जन्म जटिल परिस्थिति में होने के कारण जन्म से ही कमजोर होते है और बच्चों में कुपोषित होने का खतरा बढ़ जाता है।

14 जून 2021 को जन्में बालक तहजीब अहमद (माता पिता श्रीमती वंदना, हासिम अहमद) भी अपने जन्म के दौरान अत्यंत कम वजन (1.600 ग्राम) के साथ पैदा हुआ था। जबकि माता वंदना की शारीरिक स्थित गर्भावस्था के दौरान सामान्य ही थी और उनके खान पान पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा था। परन्तु समस्या तब आई जब दुर्भाग्यवश घरेलू काम करते समय एक दिन वंदना घर पर ही गिर पड़ी जिससे उसके पैरो में गहरी चोट आई थी। फलस्वरूप अपने होने वाले बच्चें के प्रति आशंकित वंदना इतनी भयभीत हो गई कि उसका प्रसव 8वें माह में ही ऑपरेशन से कराना पड़ा। ऐसी स्थिति में जब नन्हें शिशु तहजीब को 11 दिन तक एन आई सी यू में रखा गया और 12वें दिन पिता हासिम अहमद तहजीब को वजन कराने आंगनबाड़ी केन्द्र लाए तब बच्चे का वजन मात्र 1.700 ग्राम था। चूंकि स्थिति गंभीर थी और एक बड़ी चुनौती माता पिता, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका के समक्ष आ गई थी। इस संबंध में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने बताया कि उस समय कोविड-19 का दौर चल रहा था और अधिकांश लोग बाहरी व्यक्ति को अपने घर आने नहीं देते थे और मैं स्वयं मातृत्व अवकाश के बाद अपनी 6 माह की बच्ची के साथ आंगनबाड़ी में पुनः कार्यभार ग्रहण करने आई थी फिर मैंने बच्चे माता पिता से चर्चा कर उन्हें '' कंगारू मदर केयर'' के संबंध में बताया साथ ही इससे संबंधित विडियो भी उन्हें भेजा। चूंकि माता पिता भी तहजीब'' के कम वजन को लेकर बहुत चिंतित थे फिर उन्होंने कंगारू मदर केयर के माध्यम से शिशु को गर्माहट देने की प्रक्रिया जारी रखी। कुछ समय पश्चात नन्हें तहजीब को बी.सी.जी का टीका समय पर लग गया परन्तु बाकि टीके के लिए बच्चें का निर्धारित वजन हो जरूरी था। मां बाप दुखी तो थे परन्तु उन्होंने हार नहीं मानी। माह जुलाई 2021 के वजन त्यौहार में बच्चे का वजन 1.920 मापा गया। बच्चा कुपोषित तो था परन्तु फिर भी आशा की किरण दिखाई दे रही थी। गहन देखभाल एवं माता के खानपान से बच्चे के वजन में बढ़ोत्तरी होने लगी। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता निरन्तर मां पिता का हौसला बढ़ाती रही। साथ ही गृह भेंट के दौरान उन्होंने श्रीमती वंदना को बच्चे को निरन्तर मां का दूध पिलाने की सलाह दी इस प्रकार माह अगस्त में तहजीब का वजन 2.500 ग्राम हो गया एक बार फिर से 14 सितम्बर को आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने बच्चे का वजन किया तो वजन बढ़कर 3.440 ग्राम हो आया अतंत: 5 अक्टूबर 2021 को शिशु तहजीब को '' पेन्टा 01 का टीका लग ही गया और तब तहजीब की उम्र 6 माह होने को आई तब माता पिता को मां के दूध के साथ ऊपरी आहार खिलाने की भी सलाह दी गई अब बच्चे का वजन 6.240 हो गया था इस प्रकार तहजीब गंभीर कुपोषित से मध्यम कुपोषित श्रेणी में आ गया और बच्चे का पेन्टा 03 टीका से टीकाकरण का चक्र भी पूर्ण हो गया। माता पिता के हर्ष का तब ठिकाना नहीं था जब समय के साथ फरवरी 2022 को तहजीब का वजन 7.660 ग्राम हुआ और कुल मिलाकर तहजीब वृद्धि चार्ट के अनुसार सामान्य श्रेणी में आ गया। इस तरह महिला एवं बाल विकास विभाग की विभागीय सेवा, रेडी टू ईट का सेवन, बाल संदर्भ सेवा, टीकाकरण, माता-पिता की जागरूकता, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका के कठिन परिश्रम एवं निरंतर निगरानी के साथ तहजीब अहमद का वजन बढ़ गया और आज तहजीब (02 वर्ष की आयु में वजन 12.600 ग्राम है) एक सामान्य जीवन जी रहा है।

जिला स्तरीय आयुष चिकित्सा शिविर का किया गया आयोजन

अशोक जैन

कांकेर/छत्तीसगढ़ शासन संचालनालय आयुष रायपुर के निर्देशानुसार एवं जिला आयुर्वेद आधिकारी कांकेर के मार्गदर्शन में गत दिवस नि:शुल्क एक दिवसीय जिला स्तरीय आयुष चिकित्सा शिविर का आयोजन कांकेर में किया गया। मुख्य आतिथ्य संसदीय सचिव एवं कांकेर विधायक श्री शिशुपाल शोरी द्वारा शिविर का शुभारंभ किया गया। पार्षद श्रीमती माला मुकेश तिवारी विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद थीं। आयुर्वेद चिकित्सा शिविर को संबोधित करते हुए श्री शोरी आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति एवं दवाइयों को अपने जीवन में अपनाने की अपील करते हुए कहा कि अनेक प्रकार के बीमारियों का इलाज इससे संभव है। हमारे पूर्वज आयुर्वेद दवाईयों का उपयोग करते हुए दीर्घायु रहते थे, हमें उनका अनुकरण करना चाहिए। चिकित्सा शिविर में आयुर्वेद पद्धति से 456, होम्योपैथी से 105 एवं यूनानी चिकित्सा से 52 इस प्रकार 613 लोगो ने नि:शुल्क उपचार करवाकर औषधि प्राप्त किये। शिविर में 67 लोगां को योग चिकित्सक द्वारा योग परामर्श एवं 26 लोगों का नेत्र जांच किया गया तथा शिविर में मौसमी बीमारियों को ध्यान में रखते हुए 640 लोगों को त्रिकटु से बने काढ़ा वितरण किया गया। शिविर को सफल बनाने में जिला आयुर्वेद अधिकारी डॉ. सुकपाल ध्रुव, डॉ. अरविंद मिश्रा, डॉ. एच. एस. विनोद, डॉ. आर. एन. तम्बोली, डॉ. दीपिका साव, डॉ. ज्योतिबाला हुमने, डॉ. प्रितिबाला ठाकुर, डॉ. मकसूदन साहू, डॉ. दिनेश विनोद, डॉ. सचिन बिरखेड़े, डॉ. पुष्पा ध्रुव, श्रीमती गायत्री दिखित, श्रीमति रत्ना श्रीवास्तव, अभिजीत भक्त, हरिचंद कोमरे, गणेश साहू, सुधीर कुजूर, घनश्याम पोर्ते, गैंद लाल दुग्गा एवं श्रीमती रंजीत सलाम ने अपना योगदान प्रदान किया।

गरियाबंद पुलिस को मिली बड़ी सफलता पुलिस और माओवादी के बीच हुई मुठभेड़ में एक नक्सली ढेर, दो रायफल एवं भारी मात्रा में नक्सली समाग्री बरामद

कन्हैया तिवारी की रिपोर्ट

गरियाबंद। थाना बोरई क्षेत्रान्तर्गत ग्राम ईकावरी जंगल पहाड़ी क्षेत्र में माओवादी की मिली सूचना पर जिला पुलिस बल गरियाबंद ई-30 एवं डीआरजी टीम धमतरी की संयुक्त पार्टी हुआ था रवाना ।

घटना स्थल से एक नक्सली शव के साथ दो रायफल एवं भारी मात्रा में नक्सली समाग्री बरामद ।

गरियाबंद पुलिस कप्तान अमित तुकाराम कांबले को मिली मुखबीर की सूचना एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डी.सी. पटेल मार्गदर्शन तथा अनुविभागीय अधिकारी मैनपुर अनुज कुमार के पर्यवेक्षण पर पुलिस ई-30 गरियाबंद जिला बल एवं डीआरजी आस टीम जिला बल धमतरी के साथ संयुक्त पार्टी सर्चिंग गस्त पर थाना बोई क्षेत्रान्तर्गत ग्राम ईकावरी जंगल क्षेत्र में रवाना हुआ था। जो कि मैनपुर नुआपाड़ा संयुक्त डिवीजन कमेटी कमाण्ड इन चीफ डीवीसीएम सत्यम गावड़े के साथ सीतानदी एरिया कमेटी के 30-35 सशस्त्र माओवादियों की स्थानीय आसूचना प्राप्त हुई है। जिस पर माओवादी द्वारा पूर्व से घात लगाकर जंगल पर बैठे थे जो थाना बोरई क्षेत्रान्तर्गत ग्राम कावरी जंगल में नक्सलियों द्वारा पुलिस सर्विंग पार्टी को देख कर जान से मारने के नियत से फायरिंग खोल दिया। पुलिस सर्विंग पार्टी द्वारा बीच बचाव करते हुए जवाबी कार्यवाही किया गया पुलिस पार्टी को भारी पड़ता देख घने जंगल की ओर भाग गये। पुलिस सर्चिंग पार्टी द्वारा घटना स्थल का सर्च करने पर 01 वर्दीधारी पुरुष नक्सली, 01 गन 303 रायफल, 01 नग बीजीएल हथियार के साथ अन्य नक्सली समाग्री बरामद किया गया।

वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा मिली जानकारी के आधार पर थाना बोरई क्षेत्रांतर्गत ग्राम ईकावरी एवं कारीपानी के मध्य स्थित जंगल क्षेत्र में दिनांक 26/08/2023 के शाम को मैनपुर नुआपाड़ा संयुक्त डिवीजन कमेटी कमाण्ड इन चीफ डीवीसीएम सत्यम गावड़े के नेतृत्व में सशस्त्र और दर्दीधारी माओवादी कैडरों के 30-35 का एक समूह देखा गया है। उक्त क्षेत्र में माओवादियों की संभावित गतिविधियों को देखते हुए जिला गरियाबंद से ई-30 जिला चल एवं डीआरजी धमतरी की संयुक्त पार्टी को सर्विंग गरत अभियान की विशेष कार्ययोजना में सफलता प्राप्त हुआ।

वरिष्ठ पुलिस कप्तान द्वारा मिली सफलता पर समस्त ई-30 गरियाबंद एवं डीआरजी धमतरी के पुलिस बल को बधाई एवं शुभकामनाएं दिये।

सेवानिवृत्त अधिकारी कर्मचारी सहित भाजपा मंडल सरोना में 109 युवक युवतियां भाजपा में लीं प्रवेश

अशोक जैन

काकेर। भारतीय जनता पार्टी मंडल सरोना की मंडल स्तरीय बैठक दुधावा के मंगल भवन में मां भारती के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित कर बैठक की शुभारंभ की गई प्रवासी विधायक माननीय भवानी सिंह भोई जी के विधानसभा कांकेर के अधिकृत प्रत्याशी श्री आसाराम नेताम जी के उपस्थिति में एवं मंडल अध्यक्ष यशवंत सुरोजिया जी एवं एवं भाजयुमो के जिला महामंत्री संजू गोपाल साहू जी के नेतृत्व में सरोना मंडल के शासकीय सेवा से निवृत होकर आए क्षेत्र के वरिष्ठ मोहन सिंह नेताम जी ग्राम पटेल सरोना एवम सेवानिवृत्ति खंड स्रोत समन्वयक जितेंद्र नायक जी सेवानिवृत्ति सहायक खंड शिक्षा अधिकारी सुरेश यादव जी सेवानिवृत शाखा प्रबंधक जिला सहकारी केंद्रीय बैंक एल के साहू जी सेवानिवृत शिक्षक बृजलाल यादव जी सेवानिवृत्ति डाक सहायक मोहन साहू जी सेवानिवृत्ति स्वास्थ्य विभाग डायमंड नेताम जी भानुप्रतापपुर उपचुनाव के निर्दलीय प्रत्याशी सहित 109 युवक और युवतियां भारतीय जनता पार्टी के विचारधारा से प्रभावित होकर भाजपा में प्रवेश लिए प्रवेश के साथ आने वाले विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की अधिकृत प्रत्याशी आसाराम नेताम जी को जिताने का संकल्प लिए उड़ीसा से आए विधायक भवानी सिंह भोई जी सभा को समग्र रूप से मार्गदर्शन करते हुए आने वाले चुनाव में अभी से कमर कसके भ्रष्टाचार के आकंठ में डूबी प्रदेश के भूपेश सरकार के नेतृत्व वाली कांग्रेस पार्टी के जन विरोधी नीतियों को जन-जन तक पहचाने एवं नरेंद्र मोदी जी की नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी केंद्र के सरकार के सेवा सुशासन और गरीब कल्याण के लिए अंत्योदय एवं राष्ट्र सर्वोच्च भावना के साथ काम करने वाले भारतीय जनता पार्टी के योजनाओं को घर-घर जाकर बताने की अपील की गई उपस्थित कार्यकर्ताओं को एवं नव प्रवेशी कार्यकर्ताओं को बारी-बारी से श्रीमती सुमित्रा मारकोले पूर्व विधायक कांकेर श्रीमती तारा ठाकुर भाजपा जिला उपाध्यक्ष श्री हीरा मरकाम जिला मंत्री भाजपा श्री यशवंत सुरोजिया संजू गोपाल साहू भाजयुमो जिला महामंत्री श्री कमलेश ठोकने विधानसभा प्रभारी श्री राजा पांडे जिला अध्यक्ष भाजयुमो श्री आशा राम नेताम भाजपा अधिकृत प्रत्याशी श्री जीवन नेताम पूर्व मंडल अध्यक्ष संबोधित करते हुए भ्रष्ट झूठ लबारी किसान विरोधी कर्मचारी विरोधी व्यापारी विरोधी आदिवासी विरोधी भ्रष्टाचार के आकंठ में डूबी माफ्रियाओं की भूपेश सरकार को आने वाले चुनाव में पटकनी देकर भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाने की आह्वानकी गई।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से टेकेश्वर सिन्हा कन्हैया नेताम मंडल महामंत्री नकुल निषाद भुवन भारती देवकरण साहू निरंजन गजीर संजय गोलछा अनिल गजपाल डाक्टर ईश्वर सिन्हा रामाधार धनकर अंशु शुक्ला दशरथ मरकाम कमलेश नेताम किशोर भास्कर बैराग सोरी दिनेश पांडे सत्ते जैन श्रीमती येनबत्ती कोर्राम श्रीमती चिंतामणि रामटेके श्रीमती शशि जैन देवेंद्र साहू भानु नेताम रामसागर मरकाम संत यादव नागेंद्र सुरोजिया भागवत जैन श्रीमती श्यामा नेताम दीनू रजक गजेंद्र नेताम तितरा निषाद विष्णु सरोज बिरेंद्र सिन्हा भूपेंद्र प्रधान पवन नेताम साहिल सिन्हा सहित मंडल के जेस्ट श्रेष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राज्य स्तरीय रायफल शूटिंग प्रतियोगिता में दन्तेवाड़ा पुलिस को मिले 10 मेडल

दंतेवाड़ा (भारत भास्कर) छत्तीसगढ़ प्रदेश रायफल एसोसियशन द्वारा आयोजित की गई राज्य स्तरीय शूटिंग प्रतियोगिता का आयोजन 12 अगस्त से 23 अगस्त तक रायपुर में आयोजित किया गया था। शूटिंग प्रतियोगिता में दंतेवाड़ा पुलिस के प्रतिभागियों द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्षन किया गया। जिला दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा से उप पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार चन्द्राकर के नेतृत्व में रायपुर में गई टीम द्वारा अलग अलग कैटेगरी में कुल 10 मेडल जीते। प्रतिभागियों को अलग अलग कैटेगरी में पुरस्कार प्राप्त हुए हैं।

(01) उप पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार चन्द्राकर ने 50 मीटर 0.22 रायफल 03 पोजिसन में व्यक्तिगत रूप से ब्रोंज मेडल प्राप्त किया 7

(02). 10 मीटर एयर रायफल (टीम) में डीएसपी कृष्ण कुमार चन्द्राकर, आरक्षक राजू लाल मरकाम (डीआरजी), आरक्षक लीलाधर ध्रुव (डीआरजी) को सिल्वर मेडल 7

(03) 50 मीटर 0.22 रायफल 03 पोजिषन (टीम) में डीएसपी कृष्ण कुमार चन्द्राकर, आरक्षक राजू लाल मरकाम (डीआरजी),

आरक्षक लीलाधर ध्रुव (डीआरजी) को ब्रॉन्ज मेडल 7

(04) 50 मीटर 0.22 रायफल प्रॉन पोजिषन (टीम) में डीएसपी कृष्ण कुमार चन्द्राकर, आरक्षक राजू लाल मरकाम (डीआरजी), आरक्षक लीलाधर ध्रुव (डीआरजी) को ब्रॉन्ज मेडल 7

इस प्रकार कुल 10 मेडल प्रात कर प्रतिभागियों द्वारा जिला दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा का नाम रोशन किया है। ये अधिकारी/कर्मचारी डीआरजी दन्तेवाड़ा में पदस्थ होकर नक्सल क्षेत्र में अपनी सेवा देने के साथ इस प्रकार की प्रतिस्पर्धा में भाग ले कर पूरे राज्य स्तर पर दन्तेवाड़ा पुलिस का नाम रोशन कर रहे हैं।। इस शानदार प्रदर्शन के लिये पुलिस अधीक्षक दन्तेवाड़ा गौरव राय ने आज सभी को बधाई दी व उज्जवल भविष्य की कामना की।

दंतेवाड़ा की टीम ने सफलता का श्रेय पुलिस उप महानिरीक्षक कमलोचन कश्यप , पुलिस अधीक्षक गौरव राय एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राम कुमार बर्मन को देते हुए कहा कि वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन एवं सपोर्ट से ही दंतेवाड़ा की टीम मेडल हासिल कर पायी है, अधिकारियों द्वारा टीम को सतत रूप मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होता आ रहा है।

संक्षिप्त समाचार

प्रवेश दिलाने के नाम पर हजारों रुपए की ठगी

रायपुर। अज्ञात व्यक्ति ने शासकीय प्रयास आवासीय विद्यालय में प्रवेश दिलाने के नाम पर 7593 रुपए की ठगी करने का मामला प्रकाश में आाया है। प्रार्थी की शिकायत राखी पुलिस ने आरोपी के खिलाफअपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी केअनुसार प्रार्थी तुलसीराम साहू 57 वर्ष आदिम जाति अनु.जन जाति विकाश इंद्रावती भवन में पदस्थ है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि अज्ञात व्यक्ति ने शासकीय प्रयास आवासीय विद्यरलय का परीक्षा परिणाम की सूची से नाम व मोबाइल फेन निकालकर 85858-27091 से अभिभावकों को कॉल कर अलग-अलग व्यक्ति से रुपयों की मांग कर 7593 रुपए लेकर धोखाधड़ी किया। प्रार्थी को जब इस बात की जानकारी हुई तो उसने इसकी शिकायत थाने में की। मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

पुरानी रंजिश के चलते युवक को पीटा

रायपुर। काशीराम नगर में पुरानी रंजिश के चलते दो लोगों ने एक युवक से गाली-गलौज कर मारपीट किया। प्रार्थी की शिकायत पर तेलीबांधा पुलिस ने आरोपियों के खिलाफअपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी विशाल कन्नौजे 22 वर्ष काशीराम नगर का रहने वाला है। बताया जाता है कि आरोपी टोलू बरवे व रोहन बरवे ने पुरानी रंजिश के चलते प्रार्थी से गाली-गलौज कर मारपीट किया। प्रार्थी की शिकायत पर तेलीबांधा पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 294, 506, 323, 34 के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

आरडीए कालोनी में घर से हजारों रुपए के जेवर पार

रायपुर। बोरियाखुर्द स्थित आरडीए कालोनी में घर के आलमारी से अज्ञात चोर ने हजारों रुपए के सोने के जेवर पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर टिकरापारा पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफअपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थिया ललीता साहू 33 वर्ष आरडीए कालोनी बोरियाखुर्द की रहने वाली है। बताया जाता है कि अज्ञात चोर ने 13-14 अगस्त की दरम्यानी प्रार्थिया के घर में प्रवेश कर आलमारी में रखे सोने के जेवर पार कर दिया। चोरी गए जेवर की कीमत करीब 90 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। प्रार्थिया की शिकायत पर टिकरापारा पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

युवक के हाथ से मोबाइल छीनकर फरार

रायपुर। स्टेशन रोड स्थित राज स्वीटस के पास बाइक सवार अज्ञात युवक ने प्रार्थी के हाथ से मोबाइल छीनकर भाग निकला। प्रार्थी की शिकायत पर गंज पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफअपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी ओम परमार 22 वर्ष संबलपुर का रहने वाला है। प्रार्थी अपने मोबाइल में बात करते हुए स्टेशन रोड स्थित राज स्वीट्स के पास टहल रहा था। तभी बाइक सवार अज्ञात युवक आया और प्रार्थी के हाथ से मोबाइल छीनकर भाग निकला। चोरी गए मोबाइल की कीमत 10 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। प्रार्थी की शिकायत पर गंज पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफअपराध दर्ज किया है।

अधेड़ से मारपीट

रायपुर। बंगोली के माइनिंग ऑफिस के पास तीन युवकों ने एक अधेड़ से गाली-गलौज कर मारपीट किया। प्रार्थी की शिकायत पर खरोरा पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी भागवत चक्रधारी 47 वर्ष ग्राम बंगोली का रहने वाला है। बताया जाता है कि आरोपी गोलू, कालू व धर्मेन्द्र ने प्रार्थी से बाइक मांगा।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल प्रदेश स्तरीय ओबीसी महासम्मेलन में हुए शामिल

हमारी सरकार लगातार शिक्षा स्वास्थ्य पर काम कर रही-सीएम भूपेश बघेल

- राज्य सरकार सभी वर्गों के साथ अन्य पिछड़ा वर्ग की प्रगति के लिए भी कर रही है हरसंभव प्रयास: मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल
- राज्य सरकार सभी वर्गों के साथ अन्य पिछड़ा वर्ग की प्रगति के लिए भी कर रही है हरसंभव प्रयास

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कहा है कि राज्य सरकार सभी वर्गों के साथ अन्य पिछड़ा वर्ग की प्रगति के लिए भी हरसंभव प्रयास कर रही है। चाहे शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार के लिए संचालित कार्यक्रमों की बात हो या न्याय योजनाओं की इन योजनाओं का लाभ सभी वर्गों के साथ अन्य पिछड़ा वर्ग के लोगों को भी मिल रहा है। राज्य सरकार द्वारा अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों की तरह प्रदेश के संभागीय मुख्यालयों तथा जिला मुख्यालयों में अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के लिए छात्रावास प्रारंभ करने का निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री आज राजधानी रायपुर के रावणभाटा मैदान में आयोजित प्रदेश स्तरीय एक दिवसीय ''ओबीसी महासम्मेलन'' को सम्बोधित कर रहे थे। महासम्मेलन में अन्य पिछड़ा वर्ग समाज ने आरक्षण के संबंध में चर्चा के लिए राज्यपाल महोदय से समय दिलाने की मांग मुख्यमंत्री श्री बघेल से की। मुख्यमंत्री ने राज्यपाल महोदय को इस संबंध में पत्र लिखने की बात कही। छत्तीसगढ़ ओबीसी महासभा और छत्तीसगढ़ पिछड़ा वर्ग कल्याण संघ द्वारा संयुक्त रूप से कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ पिछड़ा वर्ग कल्याण संघ के प्रदेशाध्यक्ष श्री ओम प्रकाश साहू ने की। कार्यक्रम में लोकसभा सांसद श्री दीपक बैज, छत्तीसगढ़ ओबीसी महासभा के संयोजक श्री राधेश्याम साहू सहित ओबीसी समाज के अनेक पदाधिकारी एवं प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने समाज द्वारा जमीन की मांग पर कहा कि जमीन के मामले में इससे पहले किसी सरकार ने इतना जमीन नहीं बांटा है, कोई समाज यह नहीं कह सकता कि उसे जमीन नहीं मिला। ओबीसी बड़ा समाज है तो सबसे ज्यादा जमीन आप लोगों को मिली है। साथ ही भवन बनाने के लिए भी आवश्यकतानुसार राशि दी गयी है। राजधानी में सभी अस्पताल रायपुर शहर में स्थित हैं, तो व्यवहारिकता को देखते हुए आप लोग बड़े अस्पतालों के पास धर्मशाला के लिए जमीन देख लें। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार हमेशा पिछड़ा वर्ग के साथ है। सबसे ज्यादा ऋण माफी का लाभ पिछड़ा वर्ग के साथियों को ही मिला है क्योंकि पिछड़ा वर्ग के लोग अधिकांशतः खेती से जुड़े हुए हैं, समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का लाभ भी आपको ही सबसे ज्यादा मिला, चाहे वह राजीव गांधी किसान न्याय योजना की बात हो, चाहे मिलेट्स कोदो, कुटकी की बात हो, ट्यूबवेल पर किसानों को बिजली पर 12 हजार से 14 हजार करोड़ रूपए की छूट इन 5 सालों में दी गई ।

भाजपाई केवल फर्जी और मनगढ़ंत आरोप के सहारे चुनाव लड़ रहे

- जनता के सवालों और वादा खिलाफ के आरोपों से घिरे भाजपाइयों में मिथ्या आरोप और जुबानी जंग की मची है होड़

रायपुर/ संवाददाता

भारतीय जनता पार्टी के आरोपों पर पलटवार करते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि छत्तीसगढ़ के भाजपाई विपक्ष का धर्म निभाने में भी पूरी तरह नाकाम रहे। जनता के हित और अधिकारों से इनका कोई सरोकार नहीं है। अब चुनाव का समय है तो भाजपा के नेता अपनी सक्रियता दिखाने और अपनी राजनीति चमकाने झूठे तथ्य गढकर मिथ्या आरोप लग रहे हैं। छत्तीसगढ़ की जनता ने 15 साल रमन राज के कुशासन को भी भोगा है। किसानों को बोनस के नाम पर ठगा, युवाओं के रोजगार के अवसर को आउटसोर्सिंग करके बेचा, आदिवासी वर्ग का शोषण, दमन, अत्याचार और वादाखिलाफी भी सर्वविदित है। छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल के भरोसे की सरकार और आम जनता की समृद्धि के लिए संचालित योजनाओं का भाजपा के पास कोई काट नहीं है। यही कारण है कि भाजपा नेताओं में होड़ लगी है की कौन कितना ज्यादा झूठ बोल सकता है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि योजना के आगे घोटाला लिखकर अलग-अलग भाजपा नेता अलग-अलग आंकड़े फेंक रहे हैं। रमन सिंह एक बार कहते हैं की 250 करोड़ का राशन घोटाला, फिर कहते हैं 5000 करोड़ का राशन घोटाला, फिर कहते हैं 600 करोड़ का राशन घोटाला। मतिभ्रम के शिकार भाजपाई तय ही नहीं कर पा रहे हैं कि कितने का क्या आरोप लगाना है। हकीकत यह है कि विधानसभा के विगत सत्र में लिखित जवाब में विभागीय मंत्री ने बताया कि छत्तीसगढ़ में संचालित सभी दुकानों के स्टॉक का भौतिक सत्यापन किया गया है।

गोठान में गाय नहीं, कांग्रेसी पल रहे- राजकुमार चाहर....

रायपुर/ संवाददाता

कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में आयोजित भाजपा किसान मोर्चा के पदाधिकारी सम्मेलन मे प्रदेश भर में कार्यकर्ता जुटे। राष्ट्रीय एवं प्रदेश पदाधिकारियों ने मंडल एवं जिलों से आए किसान मोर्चा के नेताओं से किसानों के मुद्दों पर जमीनी परिस्थितियों पर चर्चा की। मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार चाहर ने छत्तीसगढ़ के किसानों को आश्वस्त किया कि भाजपा की सरकार बनने पर भरपूर पैसे देगी और गांव का चौमुखी विकास करेगी। उन्होंने कहा कि भूपेश सरकार के गोबर घोटाला ने बिहार के चारा घोटाला को भी पीछे छोड़ दिया है। गौठान में गाय तो नहीं पाल रहे लेकिन कांग्रेसी कार्यकर्ता जरूर पल रहे हैं और जमकर भ्रष्टाचार कर रहे है। इस बैठक में रासायनिक खाद्य मंत्री मनसुख मांडवीया ने कहा कि पूरी दुनिया में रासायनिक खाद की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि हुई लेकिन भारत में इसका पूरा बोझ मोदी सरकार ने सह लिया है और किसानों के पांव में कांटा नहीं गडने दिया। मोर्चा के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ शंभू कुमार ने कहा कि छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनने जा रही है और इसमें किसान मोर्चा के साथियों को प्रमुखता से भूमिका रहेगी, प्रभारी एवं राष्ट्रीय मंत्री बजरंगी प्रसाद यादव ने कहा कि राज्य की भूपेश सरकार अहसान फरामोश है। केंद्र सरकार के सहयोग से छत्तीसगढ़ में धान की खरीदी कर रही है पर अहसान मानने के बजाय भेदभाव का आरोप लगाती है। प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि गांव का विकास पूरी तरीके से ठप हो गया है। किसानों को सड़कों की अस्पतालों, स्कूलों की भी आवश्यकता होती है। सड़क पूरी तरह गड्ढे में तब्दील हो गई हैं।

मेकाहारा में 325 करोड़ की लागत से बनेगा 7 मंजिला 700 बिस्तर का अत्याधुनिक सुपर स्पेशलिटी अस्पताल

रायपुर। प्रदेशवासियों को अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ प्रदान करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है। राजधानी के नागरिकों को जल्द ही अत्याधुनिक सुपर स्पेशलिटी अस्पताल की सुविधा मिल सकेगी। स्वास्थ्यगत ढांचे को मजबूत बनाने एवं मल्टी स्पेशलिटी सुविधाएं नागरिकों को उपलब्ध कराने डा. भीमराव स्मृति चिकित्सालय में एकीकृत नवीन चिकित्सालय भवन के लिए 325 करोड़ रुपए के बजट का प्रावधान किया गया है। 700 बिस्तर वाले इस अस्पताल में बेसमेंट फ्लोर, लोवर ग्राउंड फ्लोर तथा भूतल के अलावा इस अस्पताल भवन में सात तल होंगे। इस एकीकृत नवीन चिकित्सालय भवन 70 हजार 896 वर्ग मीटर में होगा। भवन में फायर फाइटिंग सिस्टम, एचवीएसी सिस्टम, आईबीएमएस सिस्टम आदि का प्रावधान किया गया है। भवन में बेसमेंट फ्लोर 8828 वर्ग मीटर का, भूतल 7500 वर्ग मीटर का, प्रथम तल से पंचम तल तक 7274 वर्ग मीटर, षष्ठम तल मय आट्रियम रूफ स्ट्रक्चर 8728 वर्ग मीटर, सातवां तल 640.57 वर्ग मीटर का होगा। नींव को इस रूप में तैयार किया गया है कि भविष्य में सातवें फ्लोर और आठवें फ्लोर को जरूरत के दृष्टिकोण से विकसित किया जा सकता है। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की मंशानुरूप एकीकृत नवीन चिकित्सालय भवन के बन जाने से स्वास्थ्य सुविधाओं का आधुनिक और दक्ष ढांचा राजधानी में मिल सकेगा। मरीजों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए आवश्यक सभी बुनियादी सुविधाएं इस परिसर में उपलब्ध कराई जाएंगी। इस अस्पताल के तैयार हो जाने से सुपर स्पेशयलिटी अस्पताल की सभी सुविधाएं मरीजों को मिल सकेंगी।

मोर रायपुर एप्प को मिला नेशनल ई-गवर्नेंस अवार्ड

- इंडिया स्मार्ट सिटी अवार्ड-2022 में भी रायपुर के दो प्रोजेक्ट राष्ट्रीय स्तर पर बनाई पहचान

रायपुर। भारत सरकार के प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग द्वारा जिला स्तरीय उत्कृष्ट ई-गवर्नेंस पहल के लिए राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार-2023 स्वर्ण रायपुर स्मार्ट सिटी लि. के 'मोर रायपुर एप्प' को प्रदान किया गया है। आज ही आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन संचालित स्मार्ट सिटीज़ मिशन के शहरों के लिए आयोजित इंडिया स्मार्ट सिटी अवार्ड-2022 की घोषणा भी हुई, जिसमें रायपुर स्मार्ट सिटी लि. द्वारा तैयार किए गए ऑक्सी रीडिंग जोन लाइब्रेरी नालंदा परिसर को बेस्ट इनोवेटिव आइडिया अवार्ड मिला है। इस प्रतियोगिता के सामाजिक दृष्टिकोण से किए गए उत्कृष्ट कार्य की श्रेणी में शाला उन्नयन कार्यक्रम के तहत बी.पी. पुजारी स्कूल के भवन जीर्णोद्धार व अधोसंरचना निर्माण को राष्ट्रीय स्तर पर स्थान मिला है। ई-गवर्नेंस पहल के अंतर्गत मोर रायपुर एप्प की प्रणाली को उत्कृष्ट नवाचार माना गया है। इस एप्प के अंतर्गत डिजिटल डोर नंबर, नगर निगम से संबंधित करों के भुगतान, सेवा व शिकायतों के निवारण की प्रणाली तैयार कर नागरिक सेवाओं को हाईटेक करने की दिशा में किए गए। पहल को भारत सरकार के प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग द्वारा उत्कृष्ट मानते हुए 'राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार' प्रदान किया गया है। इसके अलावा आज घोषित इंडिया स्मार्ट सिटी अवार्ड-2022 के परिणाम में स्मार्ट सिटी रायपुर के दो महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट को भी राष्ट्रीय स्तर पर सराहा गया है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का राजधानी प्रवास 31 को

प्रत्येक व्यक्ति को प्रोटोकाल के अनुसार पंजीयन करना होगा...

रायपुर। संवाददाता

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के वार्षिक परियोजना सकारात्मक परिवर्तन वर्ष का छत्तीसगढ़ में शुभारम्भ करने राष्ट्रपति रायपुर आएंगी। इस अवसर पर 31 अगस्त को सुबह 11.50 बजे ब्रह्माकुमारी संस्थान द्वारा विधानसभा मार्ग स्थित शान्ति सरोवर रिट्रीट सेन्टर रायपुर में उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया है। समारोह में राज्यपाल बिश्वभूषण हरिचन्दन और मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी उपस्थित रहेंगे। यह जानकारी देते हुए रायपुर सेवाकेन्द्र की संचालिका ब्रह्माकुमारी सविता दीदी ने बतलाया कि समारोह में भाग लेने के लिए माउण्ट आबू से संस्थान के कार्यकारी सचिव ब्रह्माकुमार मृत्युजंय भाई रायपुर आएंगे। समारोह में इन्दौर जोन की क्षेत्रीय निदेशिका ब्रह्माकुमारी हेमलता दीदी, भिलाई केन्द्र की संचालिका ब्रह्माकुमारी आशा दीदी, शिक्षाविद सेवा प्रभाग की एडीशनल डायरेक्टर बीके लीना दीदी, न्यायविद सेवा प्रभाग के राष्ट्रीय समन्वयक बीके नथमल भाई भाग लेंगे। सकारात्मक परिवर्तन से आशय एक ऐसे सामाजिक और आध्यात्मिक परिवर्तन से हे जो कि सभी के लिए लाभकारी सिद्ध हो। यही व्यक्ति निर्माण, राष्ट्र निर्माण और विश्व निर्माण की प्रक्रिया है। इस कार्य में हम सभी को अपना योगदान देना होगा। सकारात्मक सोच से ही समाज में बदलाव आएगा। समारोह में भाग लेने के लिए माननीय राष्ट्रपति के प्रोटोकाल के अनुसार हरेक प्रतिभागी को अपना पंजीयन कराना अनिवार्य होगा। जिसके बाद उन्हें फोटो लगा हुआ प्रवेश पत्र दिया जाएगा। उस फोटोयुक्त प्रवेश पत्र के साथ आधार कार्ड लाने पर ही उन्हें समारोह में प्रवेश की अनुमति होगी। यह प्रवेश पत्र केवल एक व्यक्ति के लिए मान्य होगा। समारोह में डेढ़ घण्टा पहले आना होगा। साथ में मोबाईल, बैग और ब्रीफकेस लाने की

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक-संदीप तिवारी द्वारा अनंत विहार कालोनी, दलदल सिवनी मार्ग-मोवा रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं छत्तीसगढ़ प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स अनंत विहार कालोनी, दलदल सिवनी मार्ग -मोवा रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित।
(पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) फोन:-9301031000, 0771-6556444 bharatbhaskar222@gmail.com